सब का सपना

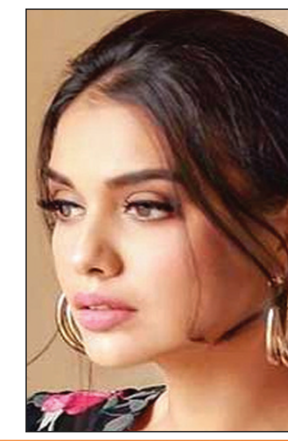

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

वैभव को एशियाई खेलों के लिए मिल सकती है भारतीय टीम में पेज: 7

अब मैं अपने करियर पर पूरा फोकस करना चाहती हूं पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 331 | शनिवार 14 मार्च 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

एलपीजी पर राहुल गांधी के दावे, गिरिराज सिंह का पलटवार- देश में भ्रम फैलाना उनकी आदत है

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर देश को गुमराह करने और वैश्विक मंच पर भारत की छवि को धूमिल करने की आदत होने का आरोप लगाया। संसद के बाहर एएनआई से बात करते हुए सिंह ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की यह आदत बन गई है कि वे देश में भ्रम फैलाते हैं और विदेश नीति पर सवाल उठाते हैं। मकर द्वार पर चाय पीते हुए और देश का अपमान करते हुए उन्होंने कोविड के दौरान भी देश में भ्रम फैलाया। उनकी ये टिप्पणियां केंद्र और विपक्ष के बीच राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चल रही तीखी बहस के बीच आई हैं, जिसे पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष और वैश्विक आपूर्ति पर इसके प्रभाव ने और हवा दी है। एक दिन पहले, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा था कि पश्चिम एशिया में चल रहे

असम में पीएम मोदी का कांग्रेस पर बड़ा हमला, बोले- झूठे वादों की है दुकान, समुदायों के बीच पैदा किया विभाजन

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को चुनाव वाले असम में कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए उस पर विभिन्न समुदायों में फूट डालने का आरोप लगाया और उसे झूठे वादों की दुकान करार दिया। गुवाहाटी से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए कोकराझार में सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कई विकास कार्यों की आधारशिला रखी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने बोडोलैंड की कई पीढ़ियों को झूठे सपनों में उलझाए रखा। मोदी ने कहा कि जब आपने कांग्रेस को देश और असम दोनों से सत्ता से बेदखल कर भाजपा-एनडीए को सत्ता सौंपी, तो हमने पूरी ईमानदारी से प्रयास शुरू किए। कांग्रेस ने अपने स्वार्थ के लिए विभिन्न समुदायों में फूट डाली, जबकि भाजपा ने स्थायी शांति स्थापित करने की दिशा में काम

किया। इसी सोच के साथ बोडो शांति समझौता हुआ था। पहली बार इस समझौते ने सभी प्रमुख संगठनों और समूहों को एक साथ लाया। नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस झूठे वादों की दुकान है—और हर झूठे वादे के साथ, यह चार बड़े झूठ बोनस उपहार के रूप में देती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि कांग्रेस का उन वादों को पूरा करने का कोई इरादा नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि एनडीए की दो इंजन वाली सरकार असम की विरासत के संरक्षण और राज्य के तीव्र विकास के लिए निरंतर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि कोकराझार सहित इस पूरे क्षेत्र ने पिछले कुछ दशकों में अत्यधिक कठिनाइयों का सामना किया है; इसे भारी नुकसान उठाना पड़ा है। आज, बोडोलैंड शांति और विकास के पथ पर अग्रसर है। आज, असम शांति

असम में कांग्रेस को 'झूठे वादों की दुकान' बताते हुए.....

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम में कांग्रेस को 'झूठे वादों की दुकान' बताते हुए उस पर समुदायों में फूट डालने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा सरकार ने बोडो शांति समझौते के माध्यम से क्षेत्र में स्थायी शांति और विकास की शुरूआत की है।

और प्रगति का एक नया अध्याय लिख रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बोडो समुदाय द्वारा अपनी भाषा और संस्कृति को संरक्षित देखकर उन्हें गर्व होता है। उन्होंने कहा कि आपका प्रेम मेरे ऊपर एक ऋण के समान है, और मेरा उद्देश्य हमेशा से आपकी सेवा करके और इस क्षेत्र के विकास के लिए काम करके इस ऋण को चुकाना रहा है। कुछ सप्ताह पहले, मुझे गुवाहाटी में समृद्ध बोडो संस्कृति को देखने का अवसर मिला। आज इस क्षेत्र के विकास के लिए 4,500 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया है और आधारशिला रखी गई है। कोकराझार और पूरे क्षेत्र ने बीते दशकों में बहुत कुछ सहा है और बहुत कुछ खोया भी है। हमने वो कठिन समय देखा है जब इन पहाड़ियों में बमों और तोपों की आवाज गूंजती थी। लेकिन आज ये तस्वीर बदल रही है। आज बोडोलैंड शांति और विकास के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस अपने फायदे के लिए विभिन्न समुदायों में फूट डालती थी, जबकि भाजपा ने शांति के लिए काम किया है। उन्होंने कहा कि 2020 के समझौते के तहत किए गए सभी वादे निरंतर प्रयासों से एक-एक करके पूरे किए जा रहे हैं। बोडो भाषा को सहयोगी आधिकारिक भाषा का दर्जा दिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि बोडोलैंड के लिए 1,500 करोड़ रुपये का विशेष विकास पैकेज उपलब्ध कराया गया है। आज कोकराझार में एक मेडिकल कॉलेज चल रहा है। वे सभी माताएं अपना आशीर्वाद दे रही हैं जिनके बेटे घर लौट आए हैं और अब अपने परिवारों के साथ शांतिपूर्वक और खुशी से रह रहे हैं।

एलपीजी संकट पर विपक्ष का हल्लाबोल, सीईसी ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग

नई दिल्ली एजेंसी: बजट सत्र के दूसरे चरण का पहला सप्ताह आज खत्म हो गया। संसद के दोनों सदनों को 16 मार्च तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। शुक्रवार को, सांसदों ने लोकसभा और राज्यसभा में मुख्य आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग वाले नोटिस सौंपे और विपक्ष ने एलपीजी संकट को लेकर सरकार को घेरने की कोशिश की। विपक्षी पार्टियों ने शुक्रवार को केंद्र से देश के कई हिस्सों में एलपीजी सिलेंडर की कथित कमी को दूर करने के लिए तुरंत कदम उठाने की अपील की, वहीं सत्ताधारी गठबंधन के नेताओं ने इस मुद्दे पर विपक्ष पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। राज्यसभा में 18 निजी विधेयक पेश हुए जिसमें वरिष्ठ नागरिकों के योगदान संबंधी प्रावधान

वाला विधेयक भी शामिल है। कांग्रेस ने शुक्रवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से आग्रह किया कि आठ विपक्षी सांसदों का निलंबन रद्द किया जाए। लोकसभा की कार्यवाही लोकसभा ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अनुदानों की अनुपूरक मांगों के दूसरे बैच को पारित किया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि एक लाख करोड़ रुपये का आर्थिक स्थिरीकरण कोष (इकोनॉमिक स्टेबिलाइजेशन फंड) सरकारी योजनाओं को पटरी से उतारे बिना मौजूदा वैश्विक संकट जैसी स्थिति में देश को आर्थिक झटकों को सहन करने में मदद करेगा। लोकसभा में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अनुदान की अनुपूरक मांगों के दूसरे बैच पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि यह कोष पश्चिम एशिया में मौजूदा संकट जैसी आकस्मिक वैश्विक चुनौतियों से लगने वाले झटकों को झेलने के लिए एक बफर के तौर पर काम करेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में शुक्रवार को कुछ हल्के-फुल्के अंदाज में उत्तर प्रदेश के नगीना निर्वाचन क्षेत्र से आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के सांसद को अपना नाम चंद्रशेखर रावण की जगह चंद्रशेखर विदुर रखने की सलाह दी। मंत्री ने कहा कि महाभारत में एक बहुत सम्मानित व्यक्तित्व हैं, जिनका नाम विदुर है और जिनकी विद्वता का सभी लोग सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें हाल में पता चला है कि विदुर ने अपने जीवन का आखिरी समय बिजनौर में बिताया था। जनजातीय कार्य राज्य मंत्री दुगार्दास उइके ने कहा है

पश्चिम बंगाल चुनाव से पहले ममता बनर्जी का मास्टरस्ट्रोक, 5 नए विकास बोर्ड बनाने का ऐलान

बंगाल एजेंसी: पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को राज्य के हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए पांच नए सांस्कृतिक एवं विकास बोर्डों की घोषणा की। उन्होंने कहा कि ये बोर्ड उनकी अनूठी भाषाओं और परंपराओं की रक्षा करते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और रोजगार सुनिश्चित करेंगे। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने लिखा, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि हमारी सरकार जल्द ही मुंडा (अनुसूचित जनजाति), कोरा (अनुसूचित जनजाति), डोम (अनुसूचित जनजाति), कुंभकार (अन्य पिछड़ा वर्ग) और सदगोपे (अन्य पिछड़ा वर्ग) समुदायों के लिए पांच नए सांस्कृतिक एवं विकास बोर्डों का गठन करने जा रही है। ये समुदाय बंगाल की जीवंत

संस्कृति का अभिन्न अंग हैं। मैं उन सभी को हार्दिक बधाई देती हूं। उन्होंने आगे कहा कि इन बोर्डों का उद्देश्य पारंपरिक अधिकारों की रक्षा करना और समुदायों का सामाजिक-आर्थिक विकास सुनिश्चित करना है। ये बोर्ड उनकी अनूठी भाषाओं और परंपराओं की रक्षा करते हुए बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और रोजगार सुनिश्चित करेंगे। वे पारंपरिक अधिकारों की रक्षा करेंगे और आगे सामाजिक-आर्थिक विकास लाएंगे। 2013 से हमने अपने कमजोर समुदायों के लिए ऐसे कई बोर्ड स्थापित किए हैं, जो उनके सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करते हैं। एक्स पर पोस्ट में लिखा था कि मां, माटी, मानुष के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का अर्थ है कि हम यह सुनिश्चित करने के लिए समर्पित हैं कि कोई भी समुदाय पीछे न छूटे। हमारा लक्ष्य सरल है: समावेशी प्रगति और अटूट समर्थन के माध्यम से हर चेहरे पर मुस्कान लाना। जय बांग्ला। यह 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले आया है, जहां तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश करेगी, जो पिछले चुनावों में 77 सीटें जीतने के बाद इस बार भी जीत हासिल करना चाहेगी। यह कदम राष्ट्रपति मुर्मू की हाल ही में पश्चिम बंगाल यात्रा को लेकर हुए राजनीतिक विवाद के बाद उठाया गया है। 7 मार्च को आयोजित एक संथाल सम्मेलन के दौरान, राष्ट्रपति ने कार्यक्रम की व्यवस्थाओं पर निराशा व्यक्त की और आयोजन स्थल के चयन पर सवाल उठाते हुए

'आप विपणन में माहिर हैं', जॉन ब्रिटास के तंज पर राज्य सभा में अश्विनी वैष्णव का तीखा पलटवार

नई दिल्ली एजेंसी: शुक्रवार को राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान कन्नूर और तिरुवनंतपुरम के बीच हाई-स्पीड कॉरिडोर पर चर्चा करते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और सीपीआई (एम) सांसद जॉन ब्रिटास के बीच तीखी नोकझोंक हुई। हाई-स्पीड कॉरिडोर की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) पर सवाल उठाते हुए ब्रिटास ने कहा कि रेल मंत्री "प्रस्तुति और मार्केटिंग" में माहिर हैं। जवाब में वैष्णव ने सीपीआई (एम) और कांग्रेस के बीच गठबंधन का आरोप लगाते हुए कहा कि दोनों पार्टियां केरल में विकास नहीं चाहतीं। सीपीआई (एम) सांसद ने पूछा कि रेलवे मंत्री की एक अच्छी बात यह है कि वे प्रदर्शन और मार्केटिंग में माहिर हैं, और इसीलिए उन्हें सूचना एवं प्रसारण का अतिरिक्त पोर्टफोलियो दिया गया है। उन्होंने पांच पन्नों के जवाब में सात सर्वेक्षणों का जिक्र किया, जिनमें से एक सर्वेक्षण 2018-19 के बजट में घोषित किया गया था। डीपीआर जमा

हो चुका है, और वे अब भी इस सर्वेक्षण की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा है कि ई. श्रीधरन का पत्र रेलवे बोर्ड को जांच के लिए भेजा गया है। किस बात की जांच? क्या रेलवे को डीपीआर तैयार करना है, या श्रीधरन को डीपीआर तैयार करने का अधिकार देना है? और क्या वे इस प्रस्तावित परियोजना को हाई-स्पीड कॉरिडोर मानेंगे, जबकि केरल को बजट में घोषित हाई-स्पीड कॉरिडोर से बाहर रखा गया है? वैष्णव ने ब्रिटास की मार्केटिंग टिप्पणी को अपमानजनक बताया और एलडीएफ और यूडीएफ को कांग्रेस कम्युनिस्ट पार्टी के नाम पर एक गठबंधन करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि केरल में वामपंथी सरकार ने रेलवे परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण रोक रखा है। रेल मंत्री ने कहा कि सदस्य ने अपमानजनक टिप्पणी की है। डॉ. श्रीधरन ने प्रस्ताव दिया है। उनके प्रस्ताव में कहा गया है कि राज्य सरकार को रेलवे में कोई विशेषज्ञता नहीं है। उनका प्रस्ताव 180 किमी प्रति घंटे की रेलवे लाइन के लिए है। उन्होंने पूरे उत्तर-दक्षिण केरल में एक एलिवेटेड लाइन का प्रस्ताव रखा है। हमने इसकी पूरी तरह से जांच की है और हम जल्द ही उनसे इस प्रस्ताव पर चर्चा के लिए बुलाने का इरादा रखते हैं।

पश्चिम एशिया में तनाव, क्या होर्मुज से गुजरेंगे भारतीय जहाज? केजरीवाल ने पीएम मोदी से मांगा जवाब

नई दिल्ली एजेंसी: आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से होर्मुज जलडमरूमध्य से भारतीय जहाजों के पारगमन पर ईरानी नेतृत्व के रुख के बारे में सवाल किया। ईरान के राष्ट्रपति से बातचीत के बाद अरविंद केजरीवाल ने पीएम मोदी से सवाल किया कि क्या देशवासी जल्द ही इस गंभीर संकट से मुक्त हो पाएंगे? केजरीवाल ने सोशल मीडिया पर पीएम से पूछा कि क्या ईरानी नेतृत्व ने कोई ठोस आश्वासन दिया है? उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी, क्या ईरान के राष्ट्रपति ने आपको आश्वासन दिया है कि वे हमारे जहाजों को होर्मुज से गुजरने देंगे? क्या देशवासी जल्द ही इस गंभीर संकट से मुक्त हो पाएंगे? दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सोशल मीडिया पोस्ट के सीधे जवाब में थी, जिन्होंने गुरुवार रात पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष पर चर्चा करने के लिए ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के साथ महत्वपूर्ण टेलीफोन वार्ता की थी। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में, पीएम मोदी ने कहा कि उन्होंने क्षेत्र में तनाव बढ़ने, विशेष रूप से नागरिकों की जान जाने और नागरिक बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में गंभीर स्थिति पर चर्चा करने के लिए मैंने ईरानी राष्ट्रपति डॉ. मसूद पेजेशकियान से बातचीत की। तनाव बढ़ने, नागरिकों की जान जाने और नागरिक बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान पर मैंने गहरी चिंता व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि माल और ऊर्जा आपूर्ति का निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करना भी भारत के लिए उतना ही महत्वपूर्ण है।

कोई नौकरी नहीं देगा, सुप्रीम कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए क्यों कही ये बात?

नई दिल्ली एजेंसी: सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को महिला छात्रों और कामकाजी पेशेवरों को मासिक धर्म अवकाश प्रदान करने वाली एक समान राष्ट्रीय नीति की मांग वाली जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि इस तरह के लाभ को अनिवार्य बनाने से अनजाने में रूढ़िवादिता को बढ़ावा मिल सकता है और नियोक्ताओं को महिलाओं को नौकरी पर रखने से रोका जा सकता है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि इस अनुरोध का महिलाओं के रोजगार के अवसरों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। याचिकाकर्ता की दलील पर सुनवाई करते हुए पीठ ने टिप्पणी की, ये दलीलें भय पैदा करने, महिलाओं को हीन बताने और यह जताने के लिए दी जा रही हैं कि मासिक धर्म उनके लिए कोई बुरी घटना है। यह एक सकारात्मक अधिकार है। लेकिन उस नियोक्ता के

बारे में सोचिए जिसे सवैतनिक अवकाश देना पड़ता है। न्यायाधीशों ने इस बात पर जोर दिया कि हालांकि मासिक धर्म अवकाश एक वैध मुद्दे को स्वीकार करता है, लेकिन इसे कानून के माध्यम से अनिवार्य बनाना सामाजिक और व्यावसायिक रूप से प्रतिकूल हो सकता है। याचिकाकर्ता ने उदाहरण दिए यह जनहित याचिका शैलेंद्र मणि त्रिपाठी द्वारा दायर की गई थी, जिनके वकील, वरिष्ठ अधिवक्ता एमआर शमशाद ने बताया कि कुछ राज्यों और निजी संगठनों ने पहले ही मासिक धर्म अवकाश लागू कर दिया है। उन्होंने कहा कि केरल ने छात्रों को छूट दी है और कई कंपनियों ने स्वेच्छा से ऐसा अवकाश प्रदान किया है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि स्वैच्छिक उपाय स्वागत योग्य हैं, लेकिन उन्होंने कानूनी बाध्यता के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि स्वैच्छिक रूप से दिया गया अवकाश उत्कृष्ट है। जिस क्षण आप इसे कानून में अनिवार्य कर देंगे, कोई भी उन्हें नौकरी नहीं देगा। कोई भी उन्हें न्यायपालिका या सरकारी नौकरी में नहीं लेगा; उनका करियर खत्म हो जाएगा।

अडानी-एपस्टीन फाइलें पर अमेरिका कर रहा ब्लैकमेल, पीएम मोदी पर राहुल गांधी का सनसनीखेज आरोप

लखनऊ एजेंसी: लखनऊ में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और रायबरेली से सांसद राहुल गांधी आज बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के संस्थापक कांशीराम की जयंती समारोह में शामिल हुए। इस दौरान कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाषण देने से पहले मैं सोच रहा था कि अंबेडकर जी शिक्षा के बारे में क्या कहते थे। वे संगठन के महत्व पर जोर देते थे। और जब कांशीराम जी रात में उत्तर प्रदेश का दौरा करते थे, तो वे अपने साथ कलम रखते थे। वे यह भी कहते थे कि कलम इस तरह से बनाई जानी चाहिए कि समाज के 15 प्रतिशत लोगों को तो लाभ मिले ही, साथ ही 85 प्रतिशत लोगों को भी लाभ मिलना चाहिए; उन्हें भी इस प्रक्रिया में शामिल किया जाना चाहिए। लेकिन अब क्या हो गया है? राहुल ने साफ तौर पर कहा कि भाजपा ने एक नई व्यवस्था शुरू कर दी है। भाजपा ने कलम को उसके ढक्कन से अलग कर दिया है। उन्होंने ढक्कन को कहीं फेंक दिया है—पता नहीं कहाँ—और अब वे सिर्फ कलम लेकर घूम रहे हैं। मैंने एक बार किसी और से इस बारे में बात की थी—हालांकि मैं यह नहीं कह सकता कि ऐसा करना सही था या गलत—लेकिन मेरा मानना है कि अगर जवाहरलाल नेहरू आज

जीवित होते, तो कांशीराम जी कांग्रेस के मुख्यमंत्री होते। आज हम कांशीराम जी के संघर्ष, उनके विजन और भारत की राजनीति पर उनके प्रभाव को याद करते हैं और दिल से उनका धन्यवाद करते हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने देश की एनर्जी सिक्योरिटी से समझौता कर दिया है, क्योंकि अब अमेरिका तय

राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि वे 'साइकोलॉजिकली' खत्म हो गए हैं और अमेरिकी दबाव में काम कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अडानी केस और एप्सटीन फाइल्स के कारण अमेरिका पीएम मोदी को ब्लैकमेल कर रहा है

कर रहा है कि हम तेल कहां से लेंगे? मैंने संसद में एपस्टीन का नाम लिया तो स्पीकर ने मुझे बोलने से रोक दिया। मंत्री हरदीप पुरी पहले से ही समझौता हैं। इनका नाम एप्सटीन फाइलों में है और ये एप्सटीन के दोस्त रहे हैं। हरदीप पुरी की बेटी की कंपनी में जॉर्ज सोरोस का पैसा लगा है- जैसे ही मैंने संसद में ये बात रखी तो स्पीकर ने फिर मुझे बोलने से रोक दिया। यानी नरेंद्र मोदी दोनों साइड से फंसे हैं। एतरफ एपस्टीन फाइलें है। दूसरी तरफ अडानी मामला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी अमीर होना ही नहीं चाहती। कांग्रेस पार्टी का ये डिजाइन गांधी जी के समय से ही है। जिस दिन हम अमीर पार्टी बन जाएंगे, उस दिन हम भाजपा हो जाएंगे। ये बात हमें लोकसभा चुनाव के दौरान समझ आई, जब हमारे सारे खाते फ्रीज कर दिए गए, लेकिन हमें कोई फर्क नहीं पड़ा। ऐसा इसलिए क्योंकि ये विचारधारा की पार्टी है, जिसे कोई रोक नहीं सकता। नरेंद्र मोदी 'साइकोलॉजिकली' खत्म हो गए हैं। उन्होंने कहा कि संविधान वो शक्ति है, जिसने सभी देशवासियों को आगे बढ़ने का अवसर दिया है- समानता और सम्मान का अधिकार दिया है। हम हर कीमत पर इसकी रक्षा करते रहेंगे। राहुल ने कहा कि कांग्रेस एक गरीब पार्टी है, जबकि इखढ अमीर पार्टी बन गई, क्योंकि नरेंद्र मोदी ने भाजपा का पूरा फाइनेंशियल स्ट्रक्चर अडानी को सौंप दिया है। अमेरिका ने इसी फाइनेंशियल स्ट्रक्चर को पकड़ लिया और अडानी पर केस कर दिया। यह केस अडानी पर नहीं, बल्कि भाजपा पर है।

संपादकीय

पूरा हुआ अविश्वास प्रस्ताव का मकसद

बुधवार, 11 मार्च को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को हटाने के लिए लाया गया विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव ध्वनिमत से गिर गया, गिरना ही था। इसमें कोई आश्चर्य नहीं है। विपक्ष भी इस बात को जानता था कि यह प्रस्ताव सफल नहीं होगा। लेकिन जिस उद्देश्य से विपक्ष ने इस प्रस्ताव को पेश किया, उसमें काफी हद तक उसे सफलता मिल गई है। लोकसभा में अध्यक्ष की आसंदी दलगत राजनीति से ऊपर होती है और उसकी निगाह में पक्ष-विपक्ष का महत्व एक समान होता है। यह व्यवस्था इसलिए बनाई गई है ताकि लोकसभा की कार्रवाई में पक्षपात न रहे। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के सांसदों को जनता ही चुनकर भेजती है, इसलिए दोनों की आवाज को बराबरी से स्थान मिले, यह जरूरी है। अगर विपक्ष की आवाज को दबाया जाए और बहुमत के कारण सारे फैसले सत्ता पक्ष के हक में लिए जाएं, तो यह केवल विपक्षी सांसदों के साथ अन्याय नहीं है, बल्कि उनके क्षेत्र के करोड़ों मतदाताओं के साथ नाइंसाफी है। अगर जनता के साथ नाइंसाफी होती है, तो फिर लोकतंत्र ही अपना अर्थ खो देता है। इस अर्थ को बचाने के लिए बजट सत्र के पहले चरण में विपक्ष ने ओम बिड़ला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया था। विपक्ष के लिए शायद यही आखिरी रास्ता भी बचा था कि किसी तरह अपनी बात को आधिकारिक तौर पर दर्ज करा सके। ध्यान रहे कि संसद सत्र के पहले चरण में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बोलने ही नहीं दिया गया। पहले जनरल मनोज नरवणे की किताब के जिक्र पर उन्हें बोलने से रोका गया और नेता प्रतिपक्ष के भाषण के बिना ही राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पारित कर दिया गया। इसके बाद एप्सटीन फाइल्स के जिक्र पर फिर से राहुल गांधी की बात को दबाया गया। उनके साथ-साथ कई और सांसदों को बोलने से रोका गया। इन सब में बार-बार निगाहें ओम बिड़ला की तरफ ही जाती थीं कि वे नीर-क्षीर विवेक से निर्णय लेंगे, लेकिन उन्होंने भी संसदीय नियमों का हवाला देते हुए बार-बार विपक्ष को ही टोका। हद तो तब हो गई जब लोकसभा अध्यक्ष ने विपक्ष की महिला सांसदों पर आरोप लगाया कि वे प्रधानमंत्री की कुर्सी के सामने आ गई थीं और इससे प्रधानमंत्री को खतरा था, लिहाजा उन्होंने नरेन्द्र मोदी को सदन में आने से मना कर दिया।

चिंतन-मनन

इच्छा का लक्ष्य है खुशी

बुरी आदत को छोड़ने की असमर्थता तुम्हें तकलीफ देती है। जब तुम बहुत पीड़ित होते हो, वह व्यथा तुम्हें उस आदत से छुटकारा दिलाती है। जब तुम अपनी कमियों से व्यथा महसूस करते हो, तब तुम साधक हो। पीड़ा तुम्हें आसक्ति से दूर करती है। यदि अपने दुर्गुणों को हटा नहीं सकते, तो उन्हें विस्तृत कर दो। चिन्ता, अभिमान, प्रोध, कामना, दुख सबको एक और बड़ा आयाम दे दो, एक दूसरी दिशा। छोटे-छोटे विषयों पर नाराज होने का क्या तुक है? नाराज होना है तो अनन्तता के प्रति, ब्रह्म के प्रति हो। यदि तुम अपने अहंकार को नहीं खत्म कर सकते तो अहंकार करो कि ईश्वर तुम्हारे हैं। यदि आसक्ति तुम पर छाई है, तो सत्य के प्रति आसक्त हो जाओ। यदि ईर्श्या तुम्हें सताती है, तो सेवा के लिए ईर्श्या करो। द्वेष के प्रति द्वेष रखो; गुरु से राग करो। दिव्यता के प्रति मदहोश हो जाओ।

इन्द्रिय सुखों की इच्छाएं विद्युत की तरह हैं; जैसे-जैसे वे विषय विस्तुओं की ओर बढ़ती है, निष्प्रभावी हो जाती हैं। अपनी कुशलता से यदि तुम इच्छाओं को अपने भीतर मोड़ सको- अपने अस्तित्व के केन्द्र की ओर- तो तुम्हें मिलेगा एक और आयाम- चिरन्तन सुख, रोमांच, परमानन्द और शात प्रेम। वासना, लोभ और ईर्ष्या इसलिए शक्तिशाली हैं क्योंकि ये केवल ऊर्जा हैं और तुम ही इनके स्रेत हो- वह विशुद्ध ऊर्जा। निष्ठा और भक्ति तुम्हारी ऊर्जा को शुद्ध बनाए रखती हैं, तुम्हें उन्नत करती हैं।

जब तुम यह समझ लेते हो कि तुम स्वयं ही सुख की विद्युत धारा हो, तुम्हारी लालसाएं घटने लगती हैं और प्रशांति आती है। मृत्यु निश्चित है - यह याद रखने से तुम वर्तमान क्षण में सजीव रहते हो, राग और द्वेष से मुक्त। इच्छा खुशी को खत्म करती है, लेकिन सभी इच्छाओं का लक्ष्य है खुशी। जब भी जीवन से खुशी गायब होने लगे, भीतर गहराई में झांककर देखो- तुम पाओगे यह इच्छा के कारण हो रहा है। लेकिन हमारी इच्छा ही केवल खुशी है। कोई जीव आज तक पैदा नहीं हुआ जिसे दुःख की चाह हो- न ऐसा पहले कभी हुआ है, न भविष्य में होगा। जब तुम्हारा छोटा मन इधर-उधर, जब जगह भागते-भागते थक जाता है, वह इस निष्कर्ष पर पहुंचता है, मेरी इच्छाओं ने मेरी खुशी छीन ली है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

एलपीजी की जगह चूल्हा एक सस्ता विकल्प

संजय गोस्वामी

12 मार्च 2026 की स्थिति के अनुसार, ईरान-इजरायल-अमेरिका के बीच फारस की खाड़ी में गंभीर तनाव और संघर्ष जारी है, जो 12वें दिन में प्रवेश कर चुका है। ईरान द्वारा समर्थित गुटों ने अमेरिकी और खाड़ी देशों के तेल टैंकरों पर हमले किए हैं, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति पर संकट खड़ा हो गया है। युद्ध की स्थिति का सीधा असर होटल मालिकों पर पड़ने वाला है। संभावना है कि कमर्शियल सिलेंडर का स्टॉक खत्म होने पर होटल को जल्द ही बंद करना पड़ सकता है। कमर्शियल सिलेंडर की कमी पूरे देश में एलपीजी का संकट है एलपीजी सप्लाई में रुकावट का असर अब इंडिया इंक पर भी पड़ रहा है, कुछ कंपनियों ने कुकिंग गैस की कमी के कारण कैफेटेरिया और फूड सर्विस पर असर पड़ने की वजह से ऑपरेशनल दिक्कतों की रिपोर्ट दी है। साथ ही, मुंबई, बेंगलुरु और कोलकाता जैसे शहरों में कमर्शियल एलपीजी सप्लाई में रुकावट की खबरें आई हैं, रेस्टोरेंट और खाने की जगहों को सिलेंडर खरीदने में मुश्किल हो रही है और कुछ मामलों में मेन्यू कम कर दिए गए हैं या ऑपरेशन कम कर दिए गए हैं। कई राज्यों में पुलिस ने भी एलपीजी सप्लाई को लेकर अफवाहों के बीच मॉनिटरिंग बढ़ा दी है, और गलत जानकारी, जमाखोरी और सिलेंडर की चोरी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। हालांकि, सरकार का कहना है कि पूरे देश में एलपीजी का कोई संकट नहीं है और सप्लाई को स्थिर करने के लिए रिफाइनरी का आउटपुट लगभग 10% बढ़ा दिया गया है। एलपीजी सप्लाई, सरकार की प्रतिक्रिया और भारतीय शहरों की स्थिति पर लेटेस्ट अपडेट के लिए इस लाइव ब्लॉग को फॉलो करें। एलपीजी सप्लाई की कमी से पूरे भारत में होटल, रेस्टोरेंट पर असर है युद्ध के इस दौर में, गोबर से बनी बायोगैस या गोबर के उपले एलपीजी का एक आत्मनिर्भर और किफायती विकल्प प्रदान करते हैं।चूल्हा एक ऐसा उपकरण है जो स्थानीय ताप या खाना पकाने के लिए उपकरण के अंदर या ऊपर ऊष्मा उत्पन्न करता है। चूल्हे कई प्रकार के ईंधनों से चल सकते हैं, जैसे प्राकृतिक गैस, बिजली, गैसोलीन, लकड़ी और कोयला। चूल्हे के निर्माण के लिए सबसे आम सामग्री कच्चा लोहा, इस्पात और पत्थर हैं। चूल्हे और गोबर के उपले भारतीय ग्रामीण जीवन, संस्कृति और परंपरा के अभिन्न अंग हैं। मिट्टी के चूल्हे और गोबर के उपले न केवल सस्ते और आसानी से उपलब्ध ईंधन हैं, बल्कि आत्मीयता और पवित्रता का भाव भी रखते हैं। आत्मनिर्भरता, सादगी और पर्यावरण मित्रता के प्रतीक के रूप में ग्रामीण जीवन का प्रतिनिधित्व करते हैं। स्वास्थ्य पर प्रभावः पुराने धुंआ उत्सर्जित करने वाले चूल्हे महिलाओं और बच्चों में श्वसन संबंधी बीमारियों का कारण बन सकते हैं, इसलिए लोग अब धुआं रहित चूल्हों की ओर बढ़ रहे हैं। आत्मनिर्भरता की कहानीः कई परिवार बायोगैस के माध्यम से आत्मनिर्भर हो गए हैं, वे गोबर से 8-10 घंटे तक चूल्हे को जलाते हैं। चूल्हा और गोइठा का संबंध केवल भोजन पकाने से नहीं, बल्कि एक जीवनशैली से है जो हमें प्रकृति के करीब रखती है। यह हमारे पूर्वजों की विरासत और सादगी का प्रतीक है, जिसे आज भी ग्रामीण भारत में संजोकर रखा गया है। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिला में आज भी लोग पुराने और पारंपरिक ईंधनों का उपयोग न सिर्फ अपने दैनिक जीवन में कर रहे हैं, बल्कि परंपराओं के अनुसार धार्मिक और सांस्कृतिक मान्यताओं को भी पूरी श्रद्धा के साथ निभा रहे हैं. होली के पर्व से पहले गांवों में घरों में पाले गए मवेशियों के गोबर से गोईठा बनाया जाता है.मान्यता है कि गोबर शुद्धता और पवित्रता का प्रतीक होता है, यही कारण है कि होली के दिनों में गोईठा की मांग बढ़ जाती है. कई लोग इसे बनाकर बेचते हैं, वहीं जिनके पास गोईठा उपलब्ध नहीं होता, वे गांवों से इसे लाकर होलिका दहन करते हैं. यह परंपरा न केवल धार्मिक आस्था से जुड़ी हुई है, बल्कि ग्रामीण संस्कृति और सदियों पुरानी जीवनशैली की गहराई को भी दशार्ती है. चूल्हा और गोइठाः ग्रामीण जीवन के प्रतीक पारंपरिक संस्कृतिः गाँव में मिट्टी के चूल्हे पर बना खाना - विशेषकर रोटी, दाल और बाटी - स्वाद और सौंधी महक के लिए जाना जाता है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

तेल-गैस संकट के बीच सेंसेक्स का गिरनाः क्या अर्थतंत्र में महासंकट के संकेत?

सौरभ वार्ष्णेय

वैश्विक अर्थव्यवस्था में जब भी ऊर्जा संकट गहराता है, उसका सीधा असर वित्तीय बाजारों और आम लोगों की जेब पर दिखाई देता है। हाल के दिनों में कच्चे तेल और गैस की कीमतों में बढ़ोतरी तथा आपूर्ति को लेकर बढ़ती अनिश्चितता के बीच भारतीय शेयर बाजार का प्रमुख सूचकांक गिरावट की ओर गया है। यह गिरावट केवल बाजार की सामान्य हलचल नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था के सामने खड़े संभावित बड़े संकट का संकेत भी हो सकती है। वहीं जब मैं इस लेख को लिख रहा हूं तो सेंसेक्स और निफ्टी काफी हद तक गिर चुका है। ऐसे में सरकार के कहने के बावजूद जनमानस इस युद्ध के बीच ऊर्जा का भंडार भरकर रखना चाहता है, यह युद्ध क्या पटकथा लिखेगा कोई नहीं जानता क्योंकि रुस-युक्रेन युद्ध भी अभी तक समाप्त नहीं हुआ।

भारत जैसे देश की ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयातित तेल और गैस पर निर्भर है। जब वैश्विक स्तर पर तेल-गैस की कीमतें बढ़ती हैं या आपूर्ति बाधित होती है, तो उसका असर सीधे महंगाई, उत्पादन लागत और व्यापार संतुलन पर पड़ता है। उद्योगों की लागत बढ़ती है, परिवहन महंगा होता है और अंततः इसका बोझ आम उपभोक्ता तक पहुंचता है। निवेशकों को भी यह संकेत मिलता है कि आने वाले समय में कंपनियों के मुनाफे पर दबाव बढ़ सकता है।

शेयर बाजार का गिरना इसी चिंता का प्रतिबिंब है। निवेशक भविष्य की आशंकाओं को देखते हुए बाजार से पैसा निकालने लगते हैं। विदेशी निवेशक भी जोखिम से बचने के लिए उभरते बाजारों से पूंजी निकालते हैं, जिससे बाजार में गिरावट और तेज हो जाती है। यदि यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है तो इसका असर निवेश, रोजगार और आर्थिक विकास की गति पर पड़ सकता है।

ऊर्जा संकट का दूसरा पहलू राजकोषीय दबाव भी है। सरकार को महंगाई नियंत्रित करने के लिए करों में कटौती, सब्सिडी या अन्य राहत उपाय देने पड़ सकते हैं। इससे सरकारी खजाने पर अतिरिक्त बोझ बढ़ता है। साथ ही यदि आयात बिल बढ़ता है तो चालू खाते का घाटा भी बढ़ सकता है, जो आर्थिक स्थिरता के लिए चुनौती बन जाता है।

हालांकि यह भी सच है कि शेयर बाजार हमेशा दीर्घकालिक आर्थिक स्थिति का सटीक दर्पण नहीं होता। कई बार वैश्विक परिस्थितियों, भू-राजनीतिक तनाव या निवेशकों की मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रिया से भी बाजार अचानक गिर सकता है। इसलिए सेंसेक्स की गिरावट को तुरंत महा संकट मान लेना भी उचित नहीं होगा। लेकिन इसे एक चेतावनी संकेत जरूर माना जाना चाहिए।

ऐसे समय में सरकार और नीति-निमार्ताओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने की है। देश को तेल-गैस के आयात पर निर्भरता कम करने, नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने और रणनीतिक भंडार बढ़ाने जैसी नीतियों पर तेजी से काम करना होगा। साथ ही आर्थिक सुधारों और निवेश को बढ़ावा देकर बाजार का भरोसा बनाए रखना भी जरूरी है।

अंततः कहा जा सकता है कि तेल-गैस संकट के बीच सेंसेक्स की गिरावट केवल बाजार की घटना नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था के सामने खड़ी चुनौतियों की याद दिलाती है। यदि समय रहते ठोस कदम उठाए जाएं तो यह संकट अवसर में भी बदल सकता है, लेकिन अगर इसे नजरअंदाज किया गया तो इसके गंभीर आर्थिक परिणाम सामने आ सकते हैं।

निवेशक दोहरी दुविधा में

वैश्विक और घरेलू आर्थिक परिस्थितियों के बीच आज निवेशक एक कठिन दौर से गुजर रहा है। बाजार में अनिश्चितता, अंतरराष्ट्रीय तनाव और महंगाई के दबाव ने निवेशकों को दोहरी दुविधा में डाल दिया है। एक ओर शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव है, वहीं दूसरी ओर सुरक्षित निवेश विकल्प भी अपेक्षित रिटर्न नहीं दे पा रहे हैं। ऐसे माहौल में यह सवाल महत्वपूर्ण हो गया है कि निवेशक अपने धन को कहाँ और कैसे सुरक्षित रखें। हाल के समय में वैश्विक स्तर पर कई घटनाएँ आर्थिक बाजारों को प्रभावित कर रही हैं। तेल-गैस की कीमतों में अस्थिरता, अंतरराष्ट्रीय संघर्ष और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की नीतियों में बदलाव का असर भारत सहित दुनिया के शेयर बाजारों पर दिखाई दे रहा है। जब भी वैश्विक स्तर पर संकट गहराता है, निवेशक जोखिम से बचने के लिए सुरक्षित विकल्पों की ओर रुख करते हैं। लेकिन वर्तमान स्थिति में सुरक्षित निवेश भी बहुत आकर्षक नहीं दिख रहा।

दूसरी ओर घरेलू स्तर पर भी निवेशकों के सामने कई सवाल खड़े हैं। महंगाई की दर में उतार-चढ़ाव, ब्याज दरों की अनिश्चितता और कंपनियों के भविष्य को लेकर आशंकाएँ निवेशकों को निर्णय लेने में कठिनाई पैदा कर रही हैं। शेयर बाजार में निवेश करने पर जोखिम अधिक है, जबकि बैंक जमा या अन्य सुरक्षित विकल्पों में रिटर्न सीमित है। यही कारण है कि निवेशक समझ नहीं पा रहे कि जोखिम उठाकर बाजार में बने रहें या सुरक्षित विकल्पों में पैसा लगाएँ।

निवेशकों की यह दुविधा केवल आर्थिक नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक भी है। बाजार की अस्थिरता के कारण कई छोटे निवेशक घबराकर अपने निवेश को निकाल लेते हैं, जिससे बाजार में और अधिक गिरावट देखने को मिलती है। वहीं कुछ अनुभवी निवेशक इसे अवसर के रूप में देखते हैं और गिरते बाजार में निवेश बढ़ाते हैं। ऐसी स्थिति में सबसे महत्वपूर्ण है संतुलित और दीर्घकालिक दृष्टिकोण। विशेषज्ञों का मानना है कि निवेशकों को घबराहट में निर्णय लेने के बजाय अपने निवेश को विविध क्षेत्रों में बांटना चाहिए और लंबी अवधि की रणनीति अपनानी चाहिए। इससे जोखिम कम किया जा सकता है और बाजार की अस्थिरता का प्रभाव भी सीमित किया जा सकता है।

सरकार और नियामक संस्थाओं की भी जिम्मेदारी है कि वे आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाएँ। पारदर्शी नीतियाँ, निवेश के अनुकूल वातावरण और वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देकर निवेशकों का भरोसा मजबूत किया जा सकता है।

यह कहा जा सकता है कि वर्तमान समय निवेशकों के लिए परीक्षा का दौर है। दोहरी दुविधा के बीच सही निर्णय वही होगा जो धैर्य, समझ और दीर्घकालिक सोच पर आधारित हो। अगर निवेशक संतुलित रणनीति अपनाते हैं, तो अस्थिर बाजार भी भविष्य के अवसरों में बदल सकता है।

तेल-गैस संकट से कैसे मिले निजात?

विश्व राजनीति और ऊर्जा बाजार में बढ़ती अनिश्चितता ने एक बार फिर तेल-गैस संकट की आशंका को गहरा कर दिया है। मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव, आपूर्ति में रुकावट और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों के उतार-चढ़ाव का सीधा असर भारत जैसे आयात-निर्भर देश पर पड़ता है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है, इसलिए जब भी वैश्विक स्तर पर संकट पैदा होता है, उसका दबाव देश की अर्थव्यवस्था, उद्योग और आम उपभोक्ता पर साफ दिखाई देता है।तेल और गैस केवल ईंधन नहीं, बल्कि आधुनिक अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। परिवहन, बिजली उत्पादन, उद्योग और घरेलू उपयोग–हर क्षेत्र इन पर निर्भर है। जब इनकी कीमतें बढ़ती हैं या आपूर्ति कम होती है, तो महंगाई बढ़ती है, उत्पादन लागत बढ़ती है और आर्थिक विकास की गति भी प्रभावित होती है। इसलिए यह केवल ऊर्जा संकट नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक चुनौती भी बन जाता है।इस संकट से निपटने के लिए सरकार को बहुस्तरीय रणनीति अपनानी होगी। सबसे पहले, ऊर्जा स्त्रोतों का विविधीकरण जरूरी है। भारत को केवल कुछ सीमित देशों पर निर्भर रहने के बजाय अलग-अलग क्षेत्रों से तेल और गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करनी चाहिए। दीर्घकालिक समझौते और रणनीतिक भंडारण भी आपूर्ति सुरक्षा को मजबूत कर सकते हैं।दूसरा महत्वपूर्ण कदम वैकल्पिक और नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार है। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन जैसे स्त्रोत भविष्य में तेल-गैस पर निर्भरता कम कर सकते हैं। भारत ने इस दिशा में कुछ कदम उठाए हैं, लेकिन इसे और तेजी से बढ़ाने की आवश्यकता है।तीसरा, ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देना भी जरूरी है। उद्योगों, वाहनों और घरेलू उपयोग में ऊर्जा की बचत से खपत कम की जा सकती है। इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन और सार्वजनिक परिवहन का विस्तार भी तेल की मांग घटाने में मदद कर सकता है। तेल-गैस संकट हमें यह याद दिलाता है कि ऊर्जा सुरक्षा केवल आयात से नहीं, बल्कि दीर्घकालिक नीति, तकनीकी नवाचार और आत्मनिर्भरता से ही सुनिश्चित हो सकती है। यदि भारत समय रहते सही कदम उठाता है, तो वह न केवल इस संकट से उबर सकता है, बल्कि भविष्य की ऊर्जा चुनौतियों का भी मजबूती से सामना कर सकता है।

इच्छा मृत्यु केवल कानून ही नहीं, मानवीय गरिमा का प्रश्न

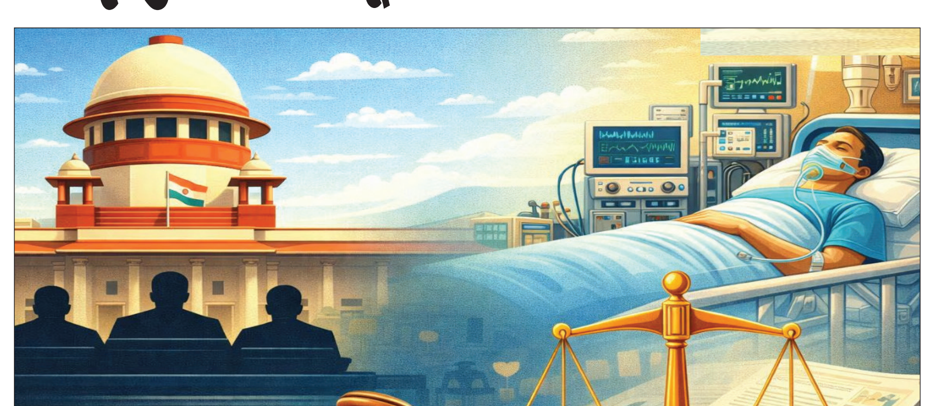

भारतीय समाज में यह गहरी धारणा रही है कि परिवार के किसी सदस्य की सेवा तब तक की जाए, जब तक उसके प्राण स्वाभाविक रूप से समाप्त न हो जाएं। जीवन की रक्षा और उसकी देखभाल को एक नैतिक कर्तव्य के रूप में देखा जाता रहा है। यही कारण है कि भारतीय परिवारों में रोगी की सेवा केवल चिकित्सा का विषय नहीं होती, बल्कि भावनात्मक, धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था से भी जुड़ी होती है। कई बार यह भी देखा गया है कि प्रियजन की मृत्यु के बाद भी उसे लंबे समय तक जीवन लौटने की आशा में संभालकर रखा जाता रहा है। लेकिन जब कोई व्यक्ति ऐसी स्थिति में पहुंच जाए, जहां से सामान्य जीवन में लौटने की कोई संभावना न हो और उसका अस्तित्व केवल कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणालियों पर निर्भर रह जाए, तब यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या केवल जैविक अस्तित्व को बनाए रखना ही जीवन की रक्षा है? या फिर जीवन की गरिमा को ध्यान में रखते हुए व्यक्ति को पीड़ा से मुक्ति देने का अधिकार भी स्वीकार किया जाना चाहिए? इसी जटिल और संवेदनशील प्रश्न के केंद्र में 11 मार्च 2026 को भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया वह निर्णय है, जिसमें गाजियाबाद के 31 वर्षीय हरीश राणा को निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी गई। लगभग तेरह वर्षों से कोमा में जीवन बिताने वाले इस युवक के मामले में अदालत का यह निर्णय केवल एक कानूनी आदेश भर नहीं है, बल्कि जीवन, मृत्यु और मानवीय गरिमा के बीच संतुलन खोजने का एक गंभीर एवं संवेदनशील प्रयास भी है। दरअसल, हरीश राणा का मामला हमें यह सोचने के लिए बाध्य करता है कि इच्छामृत्यु का प्रश्न केवल कानून का विषय नहीं है, बल्कि एक गहरी मानवीय कहानी भी है। यह एक ऐसे युवा की कहानी है, जिसका जीवन एक दुर्घटना के बाद अचानक बदल गया और जो तेरह वर्षों तक एक मौन जीवन-मृत्यु संघर्ष में जीता रहा। उस संघर्ष में शब्द नहीं थे, संवाद नहीं था, केवल एक स्थिर और असहाय जैविक अस्तित्व था। ऐसे में परिवार, चिकित्सकों और समाज के सामने यह कठिन दुविधा खड़ी हो जाती है कि जीवन को किस सीमा तक कृत्रिम रूप से बनाए रखा जाए।

इस निर्णय का सबसे महत्वपूर्ण आधार भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 है, जो प्रत्येक व्यक्ति को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है। समय के साथ न्यायपालिका ने इस अनुच्छेद की व्याख्या को व्यापक बनाते हुए यह स्पष्ट किया कि जीवन का अधिकार केवल सांस लेने या जीवित रहने का अधिकार नहीं है, बल्कि गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार भी है। इसी संवैधानिक दृष्टिकोण ने आगे चलकर यह प्रश्न उठाया कि यदि व्यक्ति को गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार है, तो क्या उसे गरिमापूर्ण मृत्यु का अधिकार भी नहीं होना चाहिए? भारत में इच्छामृत्यु से जुड़ा न्यायिक विमर्श धीरे-धीरे विकसित हुआ है। वर्ष 2011 में अरुणा शानबाग मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने पहली बार निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी थी। यह मामला एक ऐसी नर्स का था, जो दशकों तक कोमा की स्थिति में रही। उस निर्णय ने इस विषय पर व्यापक राष्ट्रीय बहस को जन्म दिया। इसके बाद वर्ष 2018 में कॉमन कॉज बनाम भारत संघ के ऐतिहासिक फैसले में अदालत ने निष्क्रिय इच्छामृत्यु को संवैधानिक मान्यता देते हुए 'लिविंग विल' की अवधारणा को स्वीकार किया। इसके अनुसार कोई व्यक्ति अपने जीवनकाल में ही यह लिखित रूप में व्यक्त कर सकता है कि यदि वह असाध्य स्थिति में पहुंच जाए तो उसे कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणालियों पर निर्भर न रखा जाए।

हरीश राणा के मामले में चिकित्सा विशेषज्ञों के बोर्ड ने यह स्पष्ट किया कि निरंतर उपचार का कोई चिकित्सीय उद्देश्य शेष नहीं रह गया था। चिकित्सा केवल जैविक अस्तित्व को लंबा खींचने का माध्यम बन गई थी। ऐसे में अदालत की स्वीकृति इस कठिन सत्य को स्वीकार करती है कि जीवन की गरिमा केवल जीने में ही नहीं, बल्कि मृत्यु में भी बनी रहनी चाहिए। फिर भी इच्छामृत्यु का प्रश्न अत्यंत जटिल और विवादास्पद रहा है। दुनिया के अनेक देशों में इस विषय पर गंभीर नैतिक और कानूनी बहस चलती रही है। कई देशों ने इसे सीमित परिस्थितियों में कानूनी मान्यता दी है, जबकि कई अन्य देशों में इसके दुरुपयोग की आशंका के कारण इसे स्वीकार नहीं किया गया है। भारत में भी यह विषय संवेदनशील बना हुआ है, क्योंकि यहां पारिवारिक संबंधों, धार्मिक मान्यताओं और सामाजिक भावनाओं की भूमिका अत्यंत गहरी है।

इसी संदर्भ में जैन धर्म में प्रचलित संथारा या सल्लेखना की परंपरा भी कई बार चर्चा में आती रही है। जैन दर्शन में इसे मृत्यु का महोत्सव कहा गया है। संथारा का अर्थ है-जीवन के अंतिम चरण में धीरे-धीरे आहार और शरीर की आसक्तियों का त्याग करते हुए शांति एवं समाधिपूर्वक मृत्यु को स्वीकार करना। जैन आचार विचार में इसे आत्मसंयम और आध्यात्मिक साधना का सर्वोच्च रूप माना गया है। संथारा और आधुनिक इच्छामृत्यु के बीच अंतर भी है और समानताएं भी। संथारा का आधार आध्यात्मिक साधना और वैराग्य है, जबकि आधुनिक इच्छामृत्यु का आधार चिकित्सा विज्ञान और मानवीय पीड़ा से मुक्ति का विचार है। फिर भी दोनों के केंद्र में एक समान भाव दिखाई देता है-जीवन की अंतिम अवस्था में गरिमा और स्वायत्तता का सम्मान। हालांकि इस परंपरा को लेकर भी न्यायालयों में बहस होती रही है कि क्या इसे धार्मिक स्वतंत्रता माना जाए या आत्महत्या के रूप में देखा जाए। इस बहस ने यह स्पष्ट किया है कि जीवन और मृत्यु से जुड़े प्रश्न केवल कानूनी तर्कों से हल नहीं होते, बल्कि उनमें नैतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आयाम भी शामिल होते हैं। प्रसिद्ध गांधीवादी चिंतक विनोबा भावे ने इस परंपरा की विशेष सराहना की थी। उन्होंने कई अवसरों पर यह इच्छा भी व्यक्त की थी कि यदि संभव हो तो वे भी जीवन के अंतिम क्षणों में इसी प्रकार की शांत, संयमित और जागरूक मृत्यु प्राप्त करना चाहेंगे।

इसीलिए हरीश राणा का मामला हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि संविधान की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संवेदनशील व्याख्या में निहित है। जब न्यायपालिका जीवन के अधिकार की व्याख्या करते हुए मानवीय गरिमा और करुणा को केंद्र में रखती है, तब वह केवल कानून का पालन नहीं करती, बल्कि समाज को अधिक संवेदनशील और मानवीय दिशा भी प्रदान करती है। यह भी सच है कि भारत में इच्छामृत्यु को लेकर अभी तक कोई समग्र और स्पष्ट कानून नहीं है। न्यायालय के दिशा-निर्देशों के बावजूद परिवारों और चिकित्सकों को कई बार जटिल प्रक्रियाओं और कानूनी आशंकाओं का सामना करना पड़ता है। यही कारण है कि सर्वोच्च न्यायालय ने स्वयं इस विषय पर एक व्यापक कानूनी ढांचे की आवश्यकता पर बल दिया है। ऐसा कानून बनाते समय दो महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना होगा। पहली, यह कि असाध्य रोगियों को अनावश्यक पीड़ा से मुक्ति मिल सके। दूसरी, यह कि किसी प्रकार के दबाव, स्वार्थ या आर्थिक कारणों से किसी व्यक्ति को इच्छामृत्यु के लिए विवश न किया जा सके। स्पष्ट प्रोटोकॉल, पारदर्शी चिकित्सा मूल्यांकन और रोगी की स्वायत्त इच्छा का सम्मान इस प्रक्रिया के आवश्यक तत्व होने चाहिए।

निश्चिततौर पर यह कहा जा सकता है कि हरीश राणा के मामले में दिया गया निर्णय केवल एक न्यायिक आदेश नहीं है, बल्कि संवैधानिक करुणा का एक उदाहरण है। इसमें न्याय, संवेदना और मानवीय गरिमा तीनों का संतुलित रूप दिखाई देता है। वास्तव में यह निर्णय हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि जीवन का सम्मान केवल उसे लंबा खींचने में नहीं, बल्कि उसकी गरिमा को बनाए रखने में है। जब उपचार असंभव हो जाए और चिकित्सा केवल पीड़ा को बढ़ाने का माध्यम बन जाए, तब गरिमापूर्ण विदाई भी मानवीयता का ही विस्तार बन जाती है। इस दृष्टि से यह आवश्यक है कि भारत में इच्छामृत्यु के प्रश्न पर व्यापक सामाजिक संवाद हो और एक ऐसा संवेदनशील तथा संतुलित कानूनी ढांचा तैयार किया जाए, जो व्यक्ति को गरिमा के साथ जीने और गरिमा के साथ मरनेकृदोनों का अधिकार सुनिश्चित कर सके।

डीएम की पहल ला रही रंग, मिशन 500 के तहत 291 अमृत सरोवरों का पूर्ण

अमरोहा (सब का सपना):- तालाबों के जीर्णोद्धार और उनके कायाकल्प के लिए जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा महत्वपूर्ण पहल शुरू की गई थी। जनपद में उनके निदेशानुसार चल रहे 'मिशन 500' (अमृत सरोवर योजना) ने धरातल पर शानदार परिणाम दिखाने शुरू कर दिए हैं। इस योजना के तहत जिले में जल संरक्षण और ग्रामीण आजीविका को एक नई दिशा मिल रही है। मिशन 500 के तहत कुल 501 तालाबों के जीर्णोद्धार का एक बड़ा लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इनमें से 340 तालाबों को तत्काल कार्य शुरू करने के लिए चिन्हित किया गया। प्रशासन की मुस्तैदी का ही नतीजा है कि इन 340 में से 291 तालाबों पर कार्य पूरी तरह से संपन्न हो चुका है। शेष तालाबों पर भी कार्य तेजी से प्रगति पर है। जिले

में कई तालाबों को 'मॉडल अमृत सरोवर' के रूप में भी विकसित किया गया है, जो इस पहल की सफलता के उत्कृष्ट उदाहरण बन रहे हैं। यह योजना केवल जल संरक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण रोजगार सृजन (रोजगार गारंटी) का भी एक मजबूत आधार बनकर उभरी है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक मनरेगा के तहत कुल 62,947 परिवारों के 75,310 लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया जा चुका है। योजना में 65 प्रतिशत या उससे अधिक जल संबंधी कार्यों, विशेषकर तालाब निर्माण को प्राथमिकता दी जा रही है। तालाबों के निर्माण, गहरीकरण और जीर्णोद्धार में मनरेगा (MGNREGA) वर्तमान नाम विकसित भारत-जी राम जी केंद्रीय भूमिका निभा रहा है। मनरेगा के तहत किसी भी कार्य के लिए पहले से बजट आवंटित नहीं किया जाता, बल्कि मौके पर कराए गए कार्य के अनुसार ही शासन स्तर से धनराशि प्राप्त होती है। स्थानीय लोगों और ग्राम पंचायतों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए ग्राम सभा के माध्यम से कार्यों की योजना, चयन और सामाजिक अंकेक्षण किया जाता है। 15 दिनों के भीतर जॉब कार्ड जारी करने और 'नरेगा सॉफ्ट' पर सभी जानकारी दर्ज करके कार्य में पूरी पारदर्शिता और जवाबदेही लाई गई है। इन अमृत सरोवरों के पुनर्जीवन से किसानों और ग्रामीणों को सीधा लाभ मिल रहा है। और जिले के भूजल स्तर में सुधार के स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं। तालाबों के किनारे मनरेगा के तहत पौधारोपण और पाथवे (रास्ते) का निर्माण कराया जा रहा है, वहीं अन्य विभागों के कन्वर्जेंस (समन्वय) से बैठने आदि की व्यवस्था भी की जा रही है। तालाबों का बहुआयामी उपयोगसुनिश्चित करते हुए इन्हें सिंचाई, वर्षा जल संचयन और मत्स्य पालन के साथ-साथ पशुपालन जैसी स्थायी आजीविका गतिविधियों से भी जोड़ा जा रहा है। इसके टिकाऊपन और रखरखाव के लिए पुराने तालाबों से गाद निकालने और उनके सुदृढ़ीकरण की विशेष व्यवस्था की गई है। प्रशासन भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए भी पूरी तरह तैयार है। मिशन-500 के तहत ऐसे तालाब चिन्हित किए गए हैं जिन पर वर्तमान में अवैध रूप से कब्जे है। प्रशासन ने स्पष्ट कार्ययोजना बनाई है कि आगामी वर्षों में इन सभी तालाबों को कब्जा मुक्त कराकर और उनका चिन्हांकन करके वहां भी जीर्णोद्धार का कार्य कराया जाएगा।

चोरी की बाइक के साथ एक गिरफ्तार

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- पुलिस ने चोरी की बाइक के साथ एक चोर को गिरफ्तार किया है ।थाना क्षेत्र के ग्राम दित्तनपुर निवासी गौरव कुमार पुत्र महेश सिहं द्वारा दो दिन पूर्व क्षेत्र के कान्हा पैलेस टोला प्लाजा पुरैन के पास से मोटरसाइकिल चोरी होने की तहरीर पुलिस को दी गई थी। मामले में पुलिस द्वारा तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की गई थी ।पुलिस ने कार्यवाही के दौरान उपरोक्त अभियोग में आरोपी मदनपाल पुत्र गुरुदयाल सिंह निवासी ग्राम बसेरा मछुआ दाड़ी अलहदादपुर बेहारी थाना जलालाबाद जनपद शाहजहांपुर का नाम प्रकाश में आया। गुरुवार को पुलिस ने अभियोग से संबंधित मदनपाल को चोरी की गयी मोटर साइकिल के साथ गिरफ्तार कर संबंधित धाराओं में उसका चालान कर दिया।

सीएचसी में बदहाली व लापरवाही को लेकर भड़के सीएचसी प्रभारी,संबंधित कर्मचारियों से मांगा स्पष्टीकरण

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा सीएचसी में चिकित्सा अधीक्षक डॉ राहुल कुमार ने कर्मचारियों की लापरवाही एवं सीएचसी परिसर में बदहाली को देखते हुए संबंधित कर्मचारियों पर फटकार लगाते हुए लापरवाह कर्मचारियों को नोटिस जारी करते हुए 24 घंटे में स्पष्टीकरण मांगा है। बता दें कि इस मामले में प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार की सुबह 10:00 बजे ओपीडी सेवा शुरू होने का निर्धारित समय था लेकिन 11:00 तक ना तो ओपीडी पर्ची बनाने वाली खिड़की खुली थी और ना ही एंटी रेबीज इंजेक्शन लगाने के लिए कोई कर्मचारी अपने स्थान पर मौजूद था ,इस कारण क्षेत्र में दूरदराज से आए मरीज घंटों तक लाइनों में लगकर परेशान होते रहे। संबंधित कर्मचारियों की इस अव्यवस्था की जानकारी जब चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर राहुल कुमार को हुई तो उन्होंने संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ त्वरित कार्यवाही करते हुए शनिवार को जिम्मेदार कर्मचारियों को कारण बताओं नोटिस जारी कर दिया। नोटिस में स्पष्ट किया गया कि ओपीडी पर्ची समय पर न बनने पर एवं एआरबी इंजेक्शन ना लगाना राजकीय कार्यों के प्रति घोर लापरवाही है जिससे मरीजों को अनावश्यक कष्ट देने वाली स्थिति और अनुशासनहीनता की श्रेणी में रखा गया है। चिकित्सा अधीक्षक ने दोनों कर्मचारियों को 24 घंटे के भीतर अपना लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि संतोषजनक उत्तर न मिलने पर उनके विरुद्ध विभागीय अनुशासनात्मक कार्यवाही की संस्तुति मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) अमरोहा को भेजी जाएगी।

इसके अलावा चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर राहुल कुमार ने कहा कि शासकीय कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी, मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देना हमारी प्राथमिकता है, लापरवाही बरतने वालों पर कठोर कार्यवाही होना तय है।

डीएम की अध्यक्षता में जनगणना के प्रथम बैच का प्रशिक्षण सम्पन्न

अमरोहा (सब का सपना):- प्रमुख जनगणना अधिकारी व जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की उपस्थिति में जनगणना-2027 के प्रथम चरण जिसमें मकानसूची एवं मकानों की गणना हेतु जिला स्तर पर फील्ड ट्रेनरों के प्रथम बैच दिनांक 11 से 13 मार्च तक पैनेसिया कालेज अमरोहा में संपन्न हुआ। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने सभी 32 फील्ड ट्रेनरों को निर्देश दिए कि कोई आपको अपनी इनफार्मेशन दे रहा है तो उसको सही से भरें और उसकी गोपनीयता बनाए रखें। किसी के घर जाएं तो सम्मान से बात करें। उन्होंने कहा किसी को भी किसी व्यक्ति की इनफॉरमेशन नहीं बतानी है और ससमय कार्य करना है। आपकी जो भी परेशानियां होंगी उनका निराकरण किया जाएगा। आपको पूर्ण प्रशिक्षण दिया गया है ताकि उक्त कार्य में आपको समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने जनगणना कार्य को पूरी पारदर्शिता, सटीकता और समयबद्धता के साथ संपन्न कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी द्वारा उक्त प्रशिक्षण की समाप्ति पर आंकड़ों की गोपनीय फील्ड कार्य के दौरान आने वाली चुनौतियों, जनगणना ऑकड़ो के उपयोग, एवं उन आँकड़ों का भारत सरकार एवं राज्य सरकारों की योजना बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका का प्रयोग किए जाने के संबंधी में निर्देश दिये गये। डीएम ने कहा कि जनगणना कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण दायित्व है। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रशिक्षण में बताई गई सभी प्रक्रियाओं, प्रपत्रों और तकनीकी पहलुओं को भली-भांति आत्मसात करें, जिससे फील्ड स्तर पर कार्य के दौरान किसी प्रकार की कठिनाई न आए।

दूसरा प्रशिक्षण 16 मार्च से आरंभ होकर 18 मार्च तक चलेगा। इस अवसर पर मास्टर ट्रेनर अमल यादव, आलोक कुमार एवं जिला प्रभारी व्यास नन्दन उपस्थित रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार गंभीर रूप से घायल,हायर सेंटर रेफर

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना मंडी धनौरा क्षेत्र में एक बाइक सवार युवक को किसी अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद घायल युवक को सीएचसी में प्राथमिक उपचार देने के बाद हायर सेंटर रैपर कर दिया गया। बता दें कि पूरा मामला थाना मंडी धनौरा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले लिसड़ी मोड़ का है, जहां एक बाइक सवार युवक को किसी अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मामले में प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल युवक धर्मेंद्र पुत्र खुशीराम उम्र करीब 40 वर्ष निवासी ग्राम अशीफपुरा शुक्रवार को अपने ही गांव निवासी संदीप की बारात में शामिल होने के लिए बाइक से धनौरा की ओर जा रहा था ,संदीप की बारात सुमाठेर जा रही थी। जैसे ही धर्मेंद्र लिसड़ी मोड़ के निकट पहुंचा तभी एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि धर्मेंद्र बाइक सहित सड़क पर काफी दूर तक घसीटता हुआ चला गया, जिससे उसके सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। इस हादसे के बाद मौके पर स्थानीय लोगों एवं राहगीरों की भीड़ का जमावड़ा लग गया। उधर इसी मार्ग से बारात में जा रहे गांव के अन्य लोगों और राजगीरों ने तुरंत निजी वाहनों की मदद से घायल धर्मेंद्र को नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया ।सूचना मिलने पर घायल के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। धनौरा सीएचसी प्रभारी डॉ राहुल कुमार ने प्राथमिक उपचार देने के बाद घायल धर्मेंद्र को बेहतर उपचार के लिए तत्काल हायर सेंटर रेफर कर दिया। वहीं इस मामले में प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि अज्ञात वाहन टक्कर मारने के बाद मौके से फरार हो गया था।

किसानों के खातों में भेजी गई पी0एम0 किसान सम्मान निधि की 22वीं किस्त

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में मुख्य अतिथि एमएलसी हरिसिंह ढिल्लों की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में प्रधानमंत्री के द्वारा पी0एम0 किसान सम्मान निधि की 22वी किस्त के तहत 9 करोड़ 32 लाख से अधिक किसानों को डृ 18 हजार 640 करोड़ से अधिक की राशि सीधे किसानों के खातों में हस्तांतरित की गई। जिसका लाईव प्रसारण आज सांय 05.00 बजे को वर्चुअल रूप से असम से प्रसारित किया गया। एमएलसी ने किसान भाइयों से जहर मुक्त खेती करने एवं प्राकृतिक खेती को अपनाने पर जोर दिया तथा किसान भाइयों को श्रीअन्न एवं उड़द बीज के निशुल्क मिनी किट का वितरण किए। शिक्षक विधायक हरिसिंह ढिल्लों ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार एवं केंद्र सरकार द्वारा चल रही विभिन्न योजनाओं का

लाभ सबका साथ सबका विकास के पथ पर सभी पात्र व्यक्ति को बिना भेदभाव के मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार से पूर्ववर्ती सरकारों में गन्ने का भुगतान तीन-तीन साल बाद के होता था लेकिन आज गन्ने का भुगतान भी समय से किया जा रहा है। विद्युत की निर्बाध आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने जैविक खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया और कहा सरकार द्वारा विभिन्न कृषि से संबंधित योजना में सब्सिडी प्रदान की जा रही है इसलिए उनका लाभ प्राप्त करें। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मन निधि वर्ष 2017 से शुरू हुई थी जो लगातार चल रही है और आज 22वीं किस्त का हस्तांतरण किसान भाइयों के खातों में किया जा रहा है। उन्होंने किसान भाइयों से अनुरोध किया कि जिन किसान भाइयों की फार्मर रजिस्ट्री रह गई है वह शीघ्र उसे पूर्ण कर लें क्योंकि जिसकी फॉर्मर रजिस्ट्री पूरी होगी तभी किसान सम्मन निधि योजना का लाभ प्राप्त हो सकेगा। उन्होंने कहा कि हमें अपने स्वास्थ्य के साथ-साथ मृदा के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना होगा इसलिए कृषि में केमिकल का प्रयोग न करें और जैविक और प्राकृतिक खेती करें। जिला कृषि अधिकारी ने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे में कृषकों को विस्तारपूर्वक बताया गया। आयोजित कार्यक्रमों में किसानों को श्रीअन्न के बीज मिनिकिट वितरित किये गये, प्रधानमंत्री किसान सम्मन निधि की प्रथम किस्त प्राप्त करने वाले कृषक बांधों को प्रशंसा पत्र का वितरण किया। पी0एम0 किसान सम्मान निधि की 22वी किस्त के रूप में जनपद अमरोहा के लगभग 2,61,500 किसानों के बैंक खातों में 2,000 प्रति किसान के हिसाब से 52.23 करोड़ रुपए की धनराशि प्रेषित कर दी गयी।

जेबीएफ ने गजरौला सरस्वती शिशु मंदिर में स्थापित कराई मुस्कान कम्प्यूटर लैब

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला औद्योगिक नगरी में जुबिलेंट भरतिया फाउंडेशन द्वारा मुस्कान प्रोजक्ट के तहत नगर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय में 10 कंप्यूटर प्रदान किए हैं। मुस्कान कम्प्यूटर लैब में बच्चे अब तकनीकि शिक्षा भी ग्रहण कर सकेंगे। बता दें कि शुक्रवार को इसका उद्घाटन कालरा एस्टेट के स्वामी अंशय कालरा एवं रोटरी क्लब आकर्षण हसनपुर के अध्यक्ष आदेश अग्रवाल ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। स्कूल के प्रबंधक कपिल कुमार सिंघल ने विद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस मौके पर जेबीएफ के चंदन प्रसाद, नवनीत सिंह, श्री श्याम मित्र मंडल के अध्यक्ष डा. राजीव शुक्ला, नगर ब्राह्मण सभा के पंडित देवेंद्र शर्मा, रोहित शर्मा, डीपीआसी सतेंद्र शर्मा, संजीव सिंघल, सभासद ब्रजेश अग्रवाल, देवराज शर्मा, नितिन सिंघल, शलभ सिंघल, नीलाक्ष अग्रवाल, दिनेश चंद सिंघल, निगम वर्मा, पुष्पा अग्रवाल, ज्योति गोयल, दिया, हिना, हेमा प्रियंका, पूनम, प्रीती, ममता आदि मौजूद रहे।

मस्जिदों में सकुशल संपन्न हुई अलविदा जुमे की नमाज, हजारों नमाजियों ने देश में अमन, चैन के लिए मांगीं दुआए

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना मंडी धनौरा में रमजान के माह के अंतिम शुक्रवार (अलविदा जुमा) को बड़ी संख्या में नमाजियों ने प्रमुख मस्जिदों में नमाज अदा की। इस अवसर पर देश में अमन-चैन, भाईचारे और तरक्की के लिए विशेष दुआएं मांगी गईं। बता दें कि शुक्रवार दोपहर से ही नगर स्थित जामा मस्जिद, एक मीनार मस्जिद, स्टेशन रोड स्थित मदीना मस्जिद, तहसील वाली मस्जिद और कमाल शाह पीर वाली मस्जिद सहित कई इबादतगाहों में नमाजियों का आना शुरू हो गया था। सुनहरी मस्जिद, चौकी वाली मस्जिद, फैज-ए-आम, कब्रिस्तान वाली मस्जिद और सुभाषनगर स्थित तेलियों वाली मस्जिद में भी नमाज शांतिपूर्ण माहौल में अदा की गई।

भीड़ इतनी अधिक थी कि मस्जिदों के अंदर से लेकर बाहर तक नमाजियों की कतारें लग गईं ।जामा मस्जिद के शहर इमाम मुफ्ती सईद उर रहमान ने अपने खुतबे में इस्लाम की मानवीय शिक्षाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि रमजान सिर्फ भूखा-प्यासा रहना नहीं, बल्कि दूसरों का दर्द समझना सिखाता है। इमाम ने जोर दिया कि इफ्तार से पहले पड़ोसी का हक सबसे ज्यादा होता है और अपने दस्तरखान पर बैठने से पहले यह सुनिश्चित करें कि पड़ोसी के पास भोजन है या नहीं। उन्होंने युवाओं से बुराइयों को त्यागने और जनसेवा का आह्वान भी किया ।नमाज शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई, जिसमें स्थानीय प्रशासन और प्रबुद्ध नागरिकों का सहयोग सराहनीय रहा। इस अवसर पर इरफान भगत, निसार फारुकी, फिरोज मंसूरी, ताज अहमद, डॉक्टर नवाब सैफी, डॉक्टर ईस्माइल सैफी, अफजाल सभासद, डॉक्टर अनीस मलिक, रियाज सैफी, डाक्टर अनीस मलिक, आलम शेख, दिलशाद सलमानी, नफीस अहमद, आसिफ रायनी, फुरकान सैफी, बादशाह मंसूरी,रामपुरिया , कामिल सैफी,अनवार सैफी,राजा,ताज अहमद,डाक्टर शराफत अली, नौशाद मंसूरी,सहित सैकड़ों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे ।नमाज के बाद मस्जिदों के बाहर काफी रौनक देखी गई। लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर मुबारकबाद दी और पवित्र माह रमजान की विदाई पर दुआएं दीं।

अकीदत के साथ अदा की गई रमजान के आखिरी जुमा अलविदा की नमाज

मस्जिदों में उमड़ी नमाजियों की भीड़ मुल्क में अमन-चैन, तरक्की, भाईचारे और खुशहाली के लिए मांगी गई दुआएं

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई कस्बे में रमजान माह के आखिरी जुमा यानी जुमा अलविदा की नमाज पूरे अकीदत और एहतराम के साथ अदा की गई। इस मौके पर कस्बे की छोटी-बड़ी सभी मस्जिदों में नमाजियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। नमाज अदा करने के लिए सुबह से ही लोगों का मस्जिदों की ओर आना शुरू हो गया था और नमाज के समय तक मस्जिदें नमाजियों से खचाखच भर गईं।

रमजान के मुकद्दस महीने के आखिरी शुक्रवार को जुमा अलविदा के नाम से जाना जाता है, जिसका मुस्लिम समाज में विशेष महत्व होता है। इस दिन बड़ी संख्या में लोग रोजा रखकर नमाज अदा करते हैं और अल्लाह की इबादत में मशगूल रहते हैं। बहजोई की जामा मस्जिद सहित अन्य मस्जिदों में इमामों ने नमाज अदा कराई और इस मौके पर मुल्क में अमन-चैन, तरक्की, भाईचारे और खुशहाली के लिए खास दुआएं मांगी गईं। नमाज से पहले उलेमा और इमामों ने रमजान के महीने की फजीलत और उसकी अहमियत पर रोशनी डाली। उन्होंने कहा कि रमजान का महीना सब्र, इबादत, रहमत और बरकत का महीना है। इस महीने में मुसलमान ज्यादा से ज्यादा इबादत करते हैं, जरूरतमंदों की मदद करते हैं और अपने गुनाहों की माफी मांगते हैं। उलेमा ने लोगों से आपसी भाईचारे, प्रेम और सौहार्द बनाए रखने की अपील भी की। जुमा अलविदा की नमाज को लेकर प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क नजर आया। नमाज के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और प्रशासन के अधिकारी क्षेत्र में तैनात रहे। मस्जिदों के आसपास सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए थे ताकि नमाज शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हो सके। नमाज अदा करने के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर रमजान की मुबारकबाद दी और देश में शांति और भाईचारे की कामना की। इसके साथ ही अब मुस्लिम समाज ईद-उल-फितर की तैयारियों में भी जुट गया है और बाजारों में भी रौनक बढ़ने लगी है।

समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं ने मनाई बाबू शिवदयाल सिंह चौरसिया की जयंती

बहजोई/संभल(सब का सपना):- समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं द्वारा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निदेर्शानुसार शुक्रवार को कैंप कार्यालय बहजोई पर बाबू शिवदयाल सिंह चौरसिया की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित बैठक में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने बाबू शिवदयाल सिंह चौरसिया के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कहा कि बाबू शिवदयाल सिंह चौरसिया एक महान समाज सुधारक, वकील और राजनेता थे। उन्होंने अपने जीवन में गरीबों और पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए। उन्होंने बताया कि बाबू शिवदयाल सिंह चौरसिया वर्ष 1974 से 1980 तक उत्तर प्रदेश से राज्यसभा सांसद रहे। जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधर ने कहा कि अपने सांसद कार्यकाल के दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण कार्य किए। उनमें से एक

भारतीय संविधान में अनुच्छेद 39अ को जोड़ने में उनकी अहम भूमिका रही, जिसके माध्यम से गरीबों को मुफ्त कानूनी सहायता उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया। उन्होंने संसद में पिछड़े वर्गों, दलितों, महिलाओं और किसानों की आवाज उठाने का काम किया। बैठक में पार्टी के सभी पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष उमेश यादव, शोभित कुमार काका, सद्दाम कुरेशी, कमल शर्मा, शारदा यादव, अशोक राणा, एडवोकेट शिवम यादव, प्रतीक गोस्वामी, बब्बन मौर्य, पप्पू पंडित, मुकेश यादव, मनोज शर्मा, सद्दन शेख, ललतेश, रवि शंखधर, लायक सिंह, होराम सिंह, मोहर सिंह, नयनपाल, तसलीम, अंश बरनवाल आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का समापन, युवाओं को ऊर्जा संरक्षण का दिया संदेश

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के एस.एम. कॉलेज, चंदौसी की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा कौशल विकास हेतु युवा विषय के अंतर्गत आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का शुक्रवार को सातवें और अंतिम दिन ग्राम देवरखेड़ा स्थित राजेश कुमार सरस्वती विद्या मंदिर में समापन किया गया। शिविर का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विशेष कुमार पांडेय के संयोजन में किया गया।
शिविर के अंतिम दिन कार्यक्रम की शुरूआत स्वयंसेवकों द्वारा स्वच्छता अभियान से की गई। स्वयंसेवकों ने शिविर स्थल पर साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। इसके बाद गांव में जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें ग्रामीणों को ऊर्जा संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूक किया

गया। रैली के माध्यम से स्वयंसेवकों ने लोगों को पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों के स्थान पर गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों, विशेषकर सौर ऊर्जा के अधिकाधिक उपयोग के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र को समापन सत्र के रूप में आयोजित किया गया। समापन सत्र की अध्यक्षता एस.एम. कॉलेज, चंदौसी के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) दानवीर सिंह यादव ने की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि विश्व में पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों के भंडार सीमित हैं, जबकि बढ़ती जनसंख्या के कारण ऊर्जा की मांग लगातार बढ़ रही है। ऐसे में गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत भविष्य की अनिवार्य आवश्यकता बन चुके हैं। उन्होंने स्वयंसेवकों से आह्वान किया कि वे समाज में ऊर्जा संरक्षण और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों के उपयोग के प्रति जागरूकता फैलाएं तथा अपनी व्यक्तिगत ऊर्जा का उपयोग राष्ट्र और समाज के निर्माण में करें। कार्यक्रम में शिक्षाविद शरद शर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के सफल आयोजन पर स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवकों को वर्ग संघर्ष के बजाय वर्ग समन्वय की भावना को अपनाकर समाज और राष्ट्र के लिए उपयोगी बनना चाहिए।
इस अवसर पर स्वयंसेवकों द्वारा शिक्षकों को समर्पित काव्य पाठ, राष्ट्रीय सेवा योजना का लक्ष्य गीत तथा सात दिवसीय शिविर की रिपोर्ट का प्रभावशाली प्रस्तुतीकरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवक हरवीर ने किया। शिविर के आयोजन में भूपाल सिंह शास्त्री, सुरेश और जितेंद्र कुमार का विशेष सहयोग रहा। अंत में राष्ट्रगान के साथ सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन किया गया।

विकास खण्ड रजपुरा में ब्लॉक बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक सम्पन्न

रजपुरा/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी के निदेर्शों के क्रम में शुक्रवार को ब्लॉक बाल कल्याण एवं सरंक्षण समिति की बैठक सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) अक्षय कुमार की अध्यक्षता में विकास खण्ड रजपुरा सभागार में संपन्न हुई। समिति की बैठक में बालको को बाल संरक्षण एवं सशक्त सरक्षणात्मक परिवेश पालन पोषण करने, बाल श्रम, बाल तस्करी बाल विवाह, परिवार की देख-रेख पाने, हिंसा व दुर्व्यवहार से बचने और संरक्षण जैसे विषय पर चर्चा की गयी। बैठक के माध्यम से सभी सचिवों को निर्देश दिये कि ग्राम

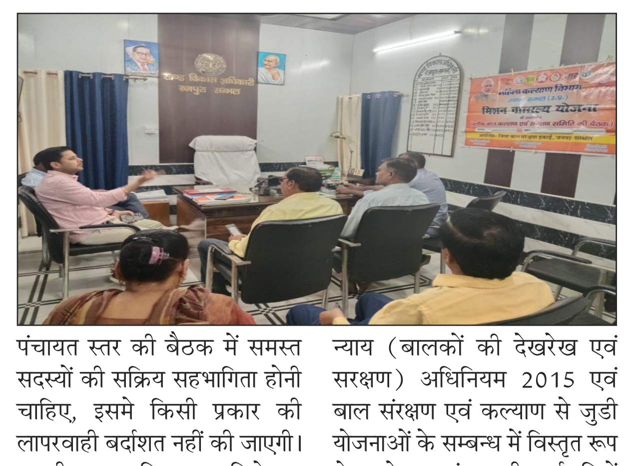

पंचायत स्तर की बैठक में समस्त सदस्यों की सक्रिय सहभागिता होनी चाहिए, इसमे किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाशत नहीं की जाएगी। प्रभारी बाल विकास परियोजना अधिकारी राजकुमारी द्वारा किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं सरक्षण) अधिनियम 2015 एवं बाल संरक्षण एवं कल्याण से जुडी योजनाओं के सम्बन्ध में विस्तृत रूप से बताते हुए आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों के सहयोग से नियमित समीक्षा हेतु कहा। बैठक में संरक्षण अधिकारी तेजपाल सिंह ने सरकार द्वारा बालकों एवं छात्राओं के हितार्थ चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमगला योजना, स्पॉन्सरशिप योजना, बाल विवाह, बाल श्रम आदि एवं विभिन्न हेल्पलाइन नंबर जैसे 1098, 181 112, 1076 आदि हेल्पलाइन नंबर जिनका प्रयोग आपातकाल स्थिति में किया जा सकता है के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। शिक्षा विभाग से एम.एल. पटेल, स्वास्थ्य विभाग से अलीजान, वी.पी गुप्ता, यशवीर सिंह, वीरसिंह एवं आकाश आदि उपस्थित रहे।

पुलिस ने अभियान चलाकर महिलाओं व बालिकाओं को किया जागरूक

सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं, बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार के निर्देशन में शुक्रवार को जनपद सम्भल की मिशन शक्ति टीम में नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर

जागरुक किया गया । महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अन्तर्गत जनपद की एंटी रोमियो टीम द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों,कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल,पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया

ओडिशा भेजा जाएगा यूपी का आलू:- मंत्री दिनेश प्रताप सिंह

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं निर्यात, दिनेश प्रताप सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को सर्किट हाउस सभागार, मुरादाबाद में एक महत्वपूर्ण 'क्रेता-विक्रेता सम्मेलन' का सफल आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य वर्तमान सत्र में आलू की उपज के समुचित भंडारण, बेहतर बाजार मूल्य और सुलभ विपणन सुनिश्चित कर किसानों के हितों की रक्षा करना रहा। इस सम्मेलन में मुरादाबाद, बरेली, मेरठ एवं सहारनपुर मंडलों के अंतर्गत आने वाले 17 जनपदों (मुरादाबाद, अमरोहा, बिजनौर, रामपुर, संभल, बरेली बदायूं पीलीभीत शाहजहांपुर मेरठ बागपत, बुलंदशहर, गाजियाबाद गौतमबुद्धनगर हापुड़, शामली एवं मुजफ्फरनगर) के प्रमुख शीतगृह स्वामियों, आलू उत्पादकों, व्यापारियों और विभागीय अधिकारियों ने भाग लिया। मंत्री ने जानकारी दी कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने हेतु ओडिशा सरकार से वार्ता की जा चुकी है। अब उत्तर प्रदेश का आलू ओडिशा के बाजारों में भेजा जाएगा। प्रदेश स्तर पर जल्द ही 'कृषि निर्यात बोर्ड' का गठन किया जाएगा, जिसमें संभल के एफपीओ निदेशक दीपक शर्मा को भी शामिल किया जाएगा। प्रगतिशील किसान कुलवीर सिंह चहल ने रसायनों के अत्यधिक उपयोग से गुणवत्ता पर पड़ने वाले प्रभाव का मुद्दा उठाया, जिस पर मंत्री ने रसायनों का उपयोग कम करने और गुणवत्ता सुधारने पर बल दिया। सम्मेलन के दौरान जिला उद्यान अधिकारी सौरभ बंसल ने बताया कि जनपद संभल द्वारा आलू की 15 विभिन्न किस्मों का प्रदर्शन किया गया। उत्कृष्ट कार्य हेतु मंत्री द्वारा संभल के विकास अग्रवाल एवं दीपक शर्मा को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया है। कृषि विपणन निरीक्षक अवनीश कुमार सिंह ने जानकारी दी कि मंत्री को अवगत कराया गया है कि वर्तमान में बाजार में अधिक आवक के कारण किसानों को कम मूल्य प्राप्त हो रहा है, जिसे सुधारने हेतु निर्यात और अंतरराज्यीय व्यापार के प्रयास तेज किए गए हैं।
इस अवसर पर विधान परिषद सदस्य मा. डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त एवं डॉ. हरि सिंह ढिल्लों, विधायक रितेश कुमार गुप्ता एवं विधायक ठाकुर रामवीर सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष शेफाली सिंह, जिला अध्यक्ष आकाश पाल सहित उद्यान, कृषि विपणन और मण्डी समिति के अधिकारी उपस्थित रहे।

सीवीआरसेटी बहजोई में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम आयोजित

बहजोई/संभल (सब का सपना):- केनरा बैंक के ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (सीवीआरसेटी) बहजोई द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। इस वर्ष की थीम गिव टू गेन रही। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपजिलाधिकारी चंदौसी नीतू रानी उपस्थित रहीं। उन्होंने सभी प्रशिक्षुओं को महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। सीवीआरसेटी बहजोई ग्रामीण युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाने का कार्य कर रहा है। संस्थान में सहायक बुककीपर, ब्यूटी प्रैक्टिशनर, सॉफ्ट टॉयज मेकिंग, मोबाइल रिपेयरिंग, एसी व फ्रिज रिपेयरिंग तथा उद्यमिता विकास जैसे व्यावहारिक कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। संस्थान दूरदराज के गांवों में भी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। कार्यक्रम में एलडीएम ललित विजय राय, सीवीआरसेटी संभल-बहजोई के निदेशक विनीत तिवारी, प्रधानाचार्या आशा चौहान, चिकित्सा अधिकारी दीपिका शर्मा, रोटरी क्लब बहजोई अध्यक्ष विद्युत कुमार सहित कई लोग उपस्थित रहे। इस दौरान वर्तमान और पूर्व प्रशिक्षुओं ने अपने अनुभव साझा किए। वर्तमान प्रशिक्षुओं ने लघु नाटिकाओं के माध्यम से महिलाओं की चुनौतियों और आत्मनिर्भर बनने के संदेश को प्रस्तुत किया।
कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षुओं को उपहार देकर सम्मानित किया गया। निदेशक विनीत तिवारी ने सभी प्रशिक्षुओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया और संस्थान के विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी दी।

सीएम डैशबोर्ड पर मुख्यमंत्री के विकास कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक का आयोजन

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड पर मुख्यमंत्री के विकास कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। पूर्व दशम छात्रवृत्ति एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति, पीएम कुसुम योजना, डे एन आर एल एम, प्रधानमंत्री आवास एवं मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण तथा मनरेगा, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के अन्तर्गत भवन निर्माण तथा सड़क निर्माण को लेकर चर्चा की गयी। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि सभी को रैंकिंग सुधार को लेकर कार्य करना है, टॉप टेन में रहने का प्रयास करें। दुग्ध मूल्य भुगतान, सहकारी दुग्ध समितियां, फैमिली आईडी,

सामाजिक वनीकरण, कृत्रिम गभार्धान, मत्स्य सम्पदा योजना, आईसीडीएस पोषण अभियान, ओडीओपी टूल किट एवं वित्त पोषण योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, आदि बिन्दुओं पर चर्चा की एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी राम आशीष,उप कृषि निदेशक अरुण कुमार त्रिपाठी,जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी रत्नेश कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वेश कुमार एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

अलविदा जुम्मे की नमाज को लेकर प्रशासन सतर्क, डीएम और एसपी ने किया पैदल गश्त

संभल(सब का सपना):- जनपद में अलविदा जुम्मे की नमाज को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। शुक्रवार को जिलाधिकारी राजेंद्र पैंसिया और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने कस्बा संभल में पुलिस बल के साथ पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। पैदल गश्त के दौरान जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने कस्बे के प्रमुख मार्गों, बाजारों तथा मस्जिदों के आसपास की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर तैनात पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करने तथा संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर

रखने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने गश्त के दौरान आमजन से संवाद भी किया और सभी से आपसी भाईचारा, शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि अलविदा जुम्मे की नमाज को देखते हुए प्रशासन द्वारा सुरक्षा और व्यवस्थाओं के व्यापक इंतजाम किए गए हैं, ताकि नमाज शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो सके। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि नमाज के दौरान सभी व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संचालित किया जाए तथा कानून-व्यवस्था की स्थिति पर लगातार नजर रखी जाए। मस्जिदों के आसपास पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है और संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। जनपद पुलिस और प्रशासन द्वारा किए गए सुरक्षा प्रबंधों के चलते अलविदा जुम्मे की नमाज शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने की बड़ी साजिश, सुपारी लेकर पिकअप फूंकने वाला युवक गिरफ्तार

किरतपुर/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के थाना किरतपुर क्षेत्र में एक विशेष समुदाय के युवक द्वारा हिंदू समुदाय के व्यक्ति के पिकअप वाहन में आग लगाने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जांच में खुलासा हुआ है कि इस वारदात के पीछे सांप्रदायिक विद्वेष फैलाने और आर्थिक लालच की गहरी साजिश रची गई थी। थाना किरतपुर क्षेत्र में एक पिकअप वाहन में पेट्रोल डालकर आग लगाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। पुलिस ने घटना का संज्ञान लेते हुए जब जांच शुरू की, तो चौंकाने वाले

तथ्य सामने आए। पुलिस ने अबूजर समीम निवासी किरतपुर को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसके बाद साजिश की परतों से पर्दा उठा। पूछताछ के दौरान अभियुक्त अबूजर ने बताया कि वह चरमपंथी विचारधारा से जुड़े कुछ व्यक्तियों के संपर्क में था। अबूजर के मोबाइल फोन की जांच से पता चला कि मुंबई निवासी जैद और अबूबाकर नामक व्यक्तियों ने उसे इस घटना के लिए उकसाया था। आरोपी को प्रलोभन दिया गया था कि यदि वह किसी विशेष धर्म के व्यक्ति की संपत्ति को नुकसान पहुँचाता है, तो उसे बड़ी धनराशि की मदद दी जाएगी। इसी रंजिश और लालच के चलते अबूजर ने योजनाबद्ध तरीके से पिकअप वाहन पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। बिजनौर पुलिस ने आरोपी अबूजर को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है। मुंबई स्थित अन्य आरोपियों (जैद और अबूबाकर) की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें दबिश दे रही हैं। पुलिस मामले के सभी तकनीकी पहलुओं और कॉल डिटेल्स की जांच कर रही है ताकि इस नेटवर्क के अन्य सदस्यों का पता लगाया जा सके।

बिजनौर में मामूली कहासुनी के बाद मारपीट, दो गंभीर घायल

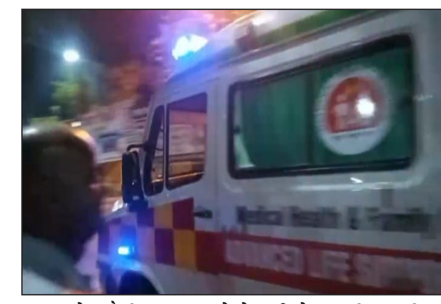

बिजनौर(सब का सपना):- जनपद के आवास विकास कॉलोनी स्थित नैंसी चौक पर शुक्रवार को एक मामूली कहासुनी के बाद मारपीट की घटना हो गई, जिसमें दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार नैंसी चौक पर दो पक्षों के बीच वाहन की टक्कर को लेकर विवाद हो गया। पहले दोनों पक्षों में कहासुनी हुई, लेकिन देखते ही देखते मामला बढ़ गया और मारपीट शुरू हो गई। घटना में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया। घायलों का आरोप है कि हमलावरों ने छुरी से वार किया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। घायलों की हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर उपचार के लिए मेरठ रेफर कर दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और घटना की जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि विवाद में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है और सीसीटीवी फुटेज भी खंगाली जा रही है। अगर आप चाहें तो मैं इसे अखबार के फ्रंट पेज के लिए और भी प्रभावी शीर्षक, इंट्रो और 6झ7 लाइन की छोटी ब्रेकिंग न्यूज शैली में भी बना सकता हूँ।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय बनियाखेरा में गिव मी विंग्स कार्यक्रम सम्पन्न

सम्भल(सब का सपना):- जनपद सम्भल के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, बनियाखेरा (सरथल) में शुक्रवार को गिव मी विंग्स झ मुझे पंख दो कार्यक्रम उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन बेसिक शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश के सहयोग से Involve Learning Solutions Foundation द्वारा किया गया। इसका उद्देश्य बालिकाओं को नेतृत्व, आत्मविश्वास और रचनात्मक क्षमताओं के प्रदर्शन के लिए मंच प्रदान करना था। कार्यक्रम की खास बात यह रही कि इसकी पूरी योजना और संचालन स्वयं विद्यालय की छात्राओं द्वारा किया गया। इसमें जनपद सम्भल के सभी 10 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक भारतीय खेल, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, पीयर लर्निंग डेमो, बाल संसद, बाल पुलिस तथा TED-स्टाइल टॉक्स मेरी कहानी, मेरी आवाज जैसी कई आकर्षक गतिविधियों का आयोजन किया गया। छात्राओं ने अपने मॉडल और नवाचार भी प्रस्तुत किए। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अल्का शर्मा, खण्ड शिक्षा अधिकारी देवेन्द्र कुमार, इन्वाल्व संस्था से सम्यक जैन, आशुतोष, संदीप सहित टीम इन्वाल्व के अन्य सदस्य और कई अतिथि मौजूद रहे। उन्होंने छात्राओं की प्रदर्शनी और प्रस्तुतियों का अवलोकन कर उनके प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने बताया कि पीयर लर्निंग, बाल संसद और मीना मंच जैसे कार्यक्रमों ने उन्हें अपनी बात रखने का मंच दिया है और आत्मविश्वास भी बढ़ाया है। अधिकारियों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम समय-समय पर आयोजित होते रहने चाहिए यह कार्यक्रम बालिकाओं के आत्मविश्वास नेतृत्व और सशक्तिकरण का प्रेरणादायक उदाहरण बना।

कार्यक्रम ने यह संदेश भी दिया कि जब बेटियों को अवसर मिलता है, तो वे समाज में सकारात्मक परिवर्तन की नई दिशा तय कर सकती हैं।

बाइक व कार की टक्कर मे युवक घायल

झालू/बिजनौर (सब का सपना):- नगर में एक भीषण सड़क दुर्घटना में बाइक और ब्रेजा कार की जोरदार टक्कर हो गई। जिसमें बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार शुक्रवार को कस्बा झालू के समीप गोलबाग रोड पर नंदी बिहार गौशाला के पास एक भीषण सड़क दुर्घटना में बाइक और ब्रेजा कार की जोरदार टक्कर हो गई। जिसमें बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी तेज थी, कि कार अनियंत्रित होकर लगभग 60 मीटर दूर तक पेड़ों को तोड़ते हुए खेत में जा घुसी। बताया जाता है कि कार में सवार एक महिला और एक पुरुष दुर्घटना के बाद वाहन से उतरकर मौके से चले गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल बाइक सवार युवक को तुरंत अस्पताल भिजवाया। युवक के पास पड़ा उसका मोबाइल फोन तथा पंद्रह सौ रुपये पुलिस ने सुरक्षित उसके परिजनों को सौंप दिए। घायल युवक की पहचान नौशाद पुत्र अजीज निवासी मोहल्ला सादात के रूप में हुई है,

जो ग्राम चौकपुरी से मजदूरी के पैसे लेकर वापस लौट रहा था।घटना की सूचना ग्राम धर्मपुरा निवासी प्रधान शैवीर सिंह ने तत्काल पुलिस को दी। मौके पर झालू चौकी प्रभारी कुलदीप कुमार, सिपाही राजीव उर्फ फौजी, अंकुर गौतम तथा डायल 112 के सिपाही मौजूद रहे।

कस्बा झालु के बीच बाजार युवक से मारपीट

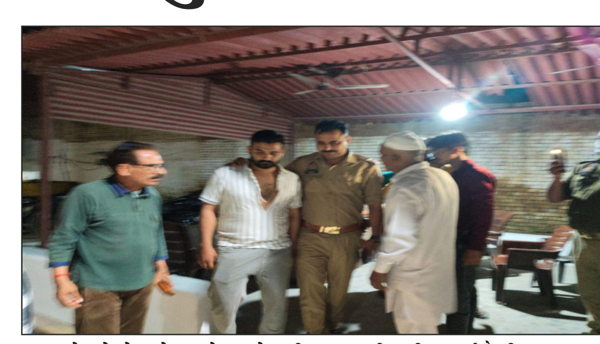

झालू/बिजनौर (सब का सपना):- नगर के मुख्य बाजार में कुछ युवकों द्वारा मौहल्ला मौलवियान निवासी अरशद व असद पुत्र असलम के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। बीच बाजार हुई इस घटना से अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि सूचना देने के बावजूद डायल 112 काफी देर बाद मौके पर पहुंची, जबकि स्थानीय पुलिस ने भी उनकी शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया। बताया जाता है कि बुधवार को बाजार में कुछ युवकों ने दो भाइयों को घेर लिया और उसके साथ मारपीट कर दी। बीच बाजार में मारपीट होते देख आसपास के लोग एकत्र हो गए। मारपीट में युवक घायल हो गया। घटना की सूचना तत्काल डायल 112 को दी गई, लेकिन आरोप है कि पुलिस काफी देर बाद मौके पर पहुंची। पीड़ित का कहना है कि उसने कुछ दिन पहले अपने बाग में लगे हरे-भरे फलदार आम के पेड़ों को काटे जाने की शिकायत पुलिस से की थी। उसका आरोप है कि उसी रंजिश के चलते आरोपियों ने उसे बीच बाजार में घेरकर मारपीट की। पीड़ित पक्ष का यह भी आरोप है कि जब वह शिकायत लेकर पुलिस को दी तो उनकी सुनवाई नहीं की गई। और चौकी प्रभारी ने पीड़ित को हीरो बताकर संबोधित किया। पुलिसकर्मी आरोपियों के पक्ष में खड़े नजर आए। घटना के बाद पीड़ित ने झालू चौकी प्रभारी की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं।

वहीं कुछ नगरवासियों ने नाम न छापने की शर्त पर आरोप लगाया कि घटना के समय चौकी प्रभारी ने शराब का सेवन कर रखा था। इसको लेकर भी क्षेत्र में चर्चा बनी हुई है।

पीड़ित ने चंदा नंगली निवासी प्रशांत पुत्र शूरवीर व कस्बा झालू के मौहल्ला मौलवियान निवासी आवेश, अजीम, नवेद पुत्र हसिनुद्दीन के ऊपर मारपीट करने का आरोप लगाया।

स्कूली चालकों को सिखाए आग पर काबू पाने के गुर

नूरपुर/बिजनौर (सब का सपना):- आर आर पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को एक दिवसीय अग्नि सुरक्षा मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्कूल के बच्चों और स्कूली वाहनों के चालकों को आग बुझाने तथा आपातकालीन स्थिति में बचाव के तरीकों का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम के दौरान स्कूल के उपप्रधानाचार्य टीकम सिंह ने अग्नि सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान चलाते हुए आग पर नियंत्रण पाने के विभिन्न तरीकों का प्रदर्शन किया। उन्होंने अग्निशमन यंत्रों के प्रयोग की जानकारी देते हुए बताया कि आपात स्थिति में इनका सही इस्तेमाल कर आग पर जल्द काबू पाया जा सकता है। मॉकड्रिल के दौरान सबसे पहले कागज के ढेर में आग लगाकर कार्बन डाइऑक्साइड अग्निशमन यंत्र से आग बुझाकर दिखाया गया। इसके बाद गैस सिलेंडर से निकल रही आग को नियंत्रित करने तथा पानी से भीगे कपड़े से सिलेंडर की आग बुझाने का प्रदर्शन भी किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य स्कूली चालकों और बच्चों को ऐसी परिस्थितियों में घबराने के बजाय सही कदम उठाने के लिए तैयार करना था। उपप्रधानाचार्य ने बताया कि आग लगने के कई कारण हो सकते हैं, इसलिए हर व्यक्ति को बचाव के उपायों की जानकारी होना आवश्यक है। उन्होंने बच्चों को बताया कि आग लगने की स्थिति में सबसे पहले फायर अलार्म सक्रिय करें, धुएं की स्थिति में नाक और मुंह को गीले कपड़े से ढकें तथा भारी धुएं में जमीन के करीब झुककर चलें। यदि कपड़ों में आग लग जाए तो भागने के बजाय जमीन पर लुढ़ककर आग बुझाने का प्रयास करना चाहिए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्कूल के चालक प्रताप सिंह, संतोष शर्मा, नरेंद्र शर्मा, रोहित कुमार, दीपक कुमार, करण सिंह, भूदेव सिंह, विजेंद्र यादव, अरुण यादव, अमन सिंह, सुरेंद्र सिंह, कुलदीप सिंह, नरदेव सिंह, जितेंद्र यादव, प्रभाकर वशिष्ठ, जोगिंदर सिंह, दिनेश कुमार, सचिन कुमार आदि ने भाग लेकर अग्नि सुरक्षा के गुर सीखे। इस अवसर पर सुशांत मेहरा, कपिल वालियान, कौशल कुमार, कपिल कुमार, वीरभान सिंह और सोनिया राजपूत सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे।

चौथे जुमे को मस्जिदों में मुल्क में अमनो अमान की कराई गई दुआएं

स्योहारा /बिजनौर (सब का सपना):- रमजान के चौथे जुमे के दिन लोगों ने मस्जिद में नमाज अदा की। इस दौरान उलेमाओं ने लोगों से रमजान मुबारक के महीने में कुरान की तिलावत, नमाज और इबादत जिंदगी में हमेशा करने को लेकर मुसलमानों से अपील है, दूसरे अशरे की फजीलत बयान की गई। शुक्रवार को रमजान के चौथे जुमे को नगर की कलालान में शहर इमाम मौलाना कामिल अंसारी, जामा मस्जिद में मौलाना इम्तियाज कासमी, रहमानिया मस्जिद में मुफ्ती मोहम्मद उवैस, हाजी वाली मस्जिद मुफ्ती उबैद जैदी, तकिये वाली कारी हारुन, मियाँ वाली मस्जिद में मुफ्ती असीम अंसारी, कुरैशियान मस्जिद में हाफि ज शमशाद, हाथे वाली मौलाना फैजान, शाही मस्जिद मौलाना शाहिद, जना वाली मस्जिद मुफ्ती सदाकत सहित माहिगिरान मस्जिद, थाने वाली मस्जिद, मिरासियान मस्जिद के अलावा शहर व आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की सभी मस्जिदो में नमाज अदा की गई। जना वाली मस्जिद मुफ्ती मोहम्मद उवैस ने नमाज के बाद मुल्क की तरक्की, अमनो आमान, बीमारी से तमाम इंसानों की हिफाजत के लिए दुआ कराई गई। उन्होंने कहा कि रमजान में रोजा रखना और उसके साथ साथ अल्लाह की इबादत करना अहम बात है। रमजान के मुबारक पूरे महीने जैसे सब ने पांचों वक्त की नमाज जमात के साथ अदा करते हैं ऐसे ही साल के बारह महीने अदा करनी चाहिए। इस मौके पर नन्हे मुन्ने बच्चों मोहम्मद अनिक जमाल, अनुशा फात्मा, इनाया रहमान, सफिरा रहमान, जैना रहमान, उमरा सुआलेह सहित अकीदतमंदों ने अल्लाह की बारगाह में दोनों हाथ उठाकर दुआ की।

गुलदार का जोड़ा दिखाई देने से क्षेत्र में दहशत

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- नहर के पास गुलदार का जोड़ा दिखाई देने से क्षेत्र में दहशत फैल गई। गुलदार होने की सूचना वन विभाग के अधिकारियों को देकर उन्हें पकड़वाय जाने की मांग की गई। थाना क्षेत्र के ग्राम नूरपुर हट्टी आबादी के बीच से होकर बह रही नहर के पस गुलदार का जोड़ा आपस में मस्ती करता दिखाई दिया । ग्रामीणों ने अपनी छतो पर चढ़कर देखा तो गुलदार आपसम मैं मौज मस्ती कर रहे थे। जिन्हें देखकर ग्रामीणों में दहशत फैल गई। देखते ही देखते तमाम ग्रामीण युवा और बुजुर्ग मौके पर जमा हो गए ।गांव के पास नहर किनारे गुलदार होने की सूचना क्षेत्र में जंगल में आग कि तरह फैल गई। इसी बीच लोगों की भीड़ को दख एक गुलदार जंगल की ओर भाग गया। जबकि दूसरा गलदार पास मैं खड़े पेड़ पर चढ़ गया ।जहां से छंगाल लगा कर जंगल में खड़े गन्ने के खेत मे भाग गया। दोनों गुलदार देखे जाने से दहशत है। ग्रामीणो ने जंगल में गुलदार होने की सूचना वन विभाग के कर्मचारीयों को दी। ग्रामीणों ने वन विभाग के अधिकारियों से गांव की आबादी के आसपास घूम रहे गुलदारो को पकड़ने की मांग की है।

संस्कृत की परीक्षा देकर लौटी नहीं छह छात्राएं, तलाश में जुटी पुलिस

बिजनौर (सब का सपना):- इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा देने के बाद छह छात्राओं के लापता होने से चांदपुर क्षेत्र में हड़कंप मच गया। गुरुवार को संस्कृत विषय की परीक्षा देने के लिए चांदपुर के एक इंटर कॉलेज पहुंचीं छात्राएं परीक्षा समाप्त होने के बाद घर के लिए निकलीं, लेकिन देर शाम तक अपने घर नहीं पहुंचीं। काफी तलाश के बाद भी कोई जानकारी न मिलने पर परिजनों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने छात्राओं की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार लापता छात्राओं में हीमपुर दीपा थाना क्षेत्र के एक गांव की दो छात्राएं तथा चांदपुर और आसपास के गांवों की चार अन्य छात्राएं शामिल हैं। परीक्षा समाप्त होने के बाद जब छात्राएं देर शाम तक घर नहीं लौटीं तो परिजनों को चिंता हुई। पहले उन्होंने अपने स्तर पर सहपाठियों और परिचितों के यहां पता किया, लेकिन जब कोई सुराग नहीं मिला तो रात करीब दस बजे परिजन चांदपुर कोतवाली पहुंचे और पुलिस को मामले की जानकारी दी। एक साथ छह छात्राओं के लापता होने की सूचना फैलते ही क्षेत्र में चिंता का माहौल बन गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर छात्राओं की तलाश के लिए टीमें लगा दी हैं। थाना प्रभारी निरीक्षक चांदपुर अमित कुमार ने बताया कि छात्राओं की बरामदगी के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही है और विभिन्न संभावित स्थानों पर तलाश की जा रही है। उधर, छात्राओं की बरामदगी की मांग को लेकर शुक्रवार दोपहर परिजनों ने चांदपुर कोतवाली में हंगामा भी किया। परिजनों का कहना था कि छात्राओं का जल्द पता लगाया जाए। सूचना मिलने पर एएसपी सिटी कृष्णा गोपाल सिंह भी कोतवाली पहुंचे और परिजनों को समझाते हुए भरोसा दिलाया कि पुलिस टीमों को सक्रिय कर दिया गया है और जल्द ही छात्राओं को सकुशल बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है।

इस दौरान कुछ सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि भी कोतवाली पहुंचे और परिजनों के साथ छात्राओं की जल्द बरामदगी की मांग की। फिलहाल पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और आसपास के क्षेत्रों में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

दिल्ली दंगा 2020: मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ FIR दर्ज करने का आदेश जारी करने से कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली। वर्ष 2020 में हुए दिल्ली दंगों से जुड़े मामले में दिल्ली सरकार में मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश देने से कोर्ट ने इन्कार कर दिया है। इस संबंध में दायर की गई एक याचिका की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता की अर्जी को शिकायत की तरह माना जाएगा। याचिकाकर्ता अपनी शिकायत के पक्ष में गवाह कोर्ट में पेश कर सकते हैं। राउज ऐवन्यू कोर्ट में मामले की अगली सुनवाई 27 मार्च को होगी।

नरेश बाल्यान के खिलाफ मकोका केस की जांच में देरी पर दिल्ली एचसी ने उठाए सवाल, जमानत पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के मामले में आप नेता नरेश बाल्यान की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली पुलिस की जांच पर सवाल उठाया। अदालत ने पुलिस से पूछा कि अभी तक आगे की जांच पूरी क्यों नहीं हुई और इसमें देरी क्यों हो रही है? इस दौरान अदालत ने बाल्यान की जमानत याचिका पर जिरह सुनने के बाद सुनवाई स्थगित कर दी। जमानत याचिका खारिज करने के ट्रायल कोर्ट के निर्णय को नरेश बाल्यान ने चुनौती दी है।

दिल्ली में 67 दिन में आग से 15 की मौत और 93 झुलसे, फायर ब्रिगेड को रोज मिल रहीं 44 कॉल; गर्मी में बढ़ीं घटनाएं

नई दिल्ली। राजधानी में गर्मी का मौसम शुरू होते ही आग लगने की घटनाओं में भी तेजी देखने को मिल रही है। दिल्ली अग्निशमन सेवा के आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष एक जनवरी से नौ मार्च तक आग लगने की 2,988 कॉल्स दमकल विभाग को प्राप्त हुई हैं। 15 लोगों की हुई मौत, 93 लोग झुलसे ऐसे में प्रतिदिन करीब 44 कॉल आ रही हैं। इन घटनाओं में 15 लोगों की झुलसने से मौत हो गई, जबकि दमकलकर्मियों ने 93 लोगों को रेस्क्यू कर उनकी जान बचाई। आंकड़ों के मुताबिक, बीते वर्ष के शुरूआती दो महीनों में आग लगने की 2,014 काल्स दमकल विभाग को मिली थीं, जिनमें आठ लोगों की झुलसने से मौत हुई थी। ऐसे में इस वर्ष घटनाओं और मौतों की संख्या बढ़ना चिंता का विषय बन गया है। अब सदर बाजार में भी दो श्रमिकों की जान गई दमकल विभाग के मुताबिक, हाल ही में होली के दिन सदर बाजार के 12 टूटी चौक स्थित एक पांच मंजिला इमारत में भीषण आग लग गई थी। इस हादसे में दो श्रमिकों की झुलसने से मौत हो गई थी। आग इतनी तेजी से फैली कि इमारत में फंसे लोगों को बाहर निकलने का मौका भी नहीं मिला। दमकल विभाग की कई गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इसी दिन बाहरी दिल्ली के रिठाला इलाके में भी आग का बड़ा हादसा सामने आया था। यहां सौ से अधिक झुग्गियों में आग लग गई थी, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। इस हादसे में एक किशोर की मौत हो गई, जबकि कई परिवारों का सामान जलकर राख हो गया। दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। दमकल विभाग के अधिकारी ने लोगों से अपील की कि गर्मी के मौसम में बिजली के उपकरणों का सावधानी से इस्तेमाल करें और आग से बचाव के उपायों को अपनाएं, ताकि इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

24 साल से हर नए कॉरिडोर की पहली ट्रेन में करते हैं सफर, डीएमआरसी ने मेट्रो यात्री को किया सम्मानित

नई दिल्ली। केंद्रीय राज्य मंत्री (आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय) तोखन साहू ने दिल्ली मेट्रो के एक उत्साहशील यात्री को 24 वर्षों तक हर नए कॉरिडोर की पहली ट्रेन में सफर करने की उपलब्धि के लिए सम्मानित किया। केंद्रीय राज्य मंत्री साहू ने दिल्ली मेट्रो के उत्साहशील यात्री अनिल मारवाह को दिल्ली मेट्रो नेटवर्क में नव-उद्घाटित प्रत्येक मेट्रो कॉरिडोर के उद्घाटन दिवस पर पहली ट्रेन में यात्रा करने की उनकी उल्लेखनीय व्यक्तिगत उपलब्धि के लिए सम्मानित किया। यह सम्मान समारोह बुधवार को नई दिल्ली में दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन (डीएमआरसी) के प्रबंध निदेशक डॉ. विकास कुमार की उपस्थिति में आयोजित किया गया। 2002 में की थी अपनी पहली मेट्रो यात्रा मारवाह ने पिछले 24 वर्षों से इस कार्य को कायम रखा है। वर्ष 2002 की अपनी पहली यात्रा को याद करते हुए उन्होंने कहा कि मेट्रो भारत में शहरी परिवहन में एक ऐतिहासिक मोड़ लाई है, जिससे पूरे शहर में कनेक्टिविटी में सुधार हुआ है और सड़क परिवहन पर निर्भरता कम हुई है। मारवाह को बधाई देते हुए साहू ने कहा कि ऐसी कहानियां दिल्ली मेट्रो के साथ नागरिकों के गहरे भावनात्मक जुड़ाव को दशार्ती हैं। उन्होंने मेट्रो को शहरी परिवहन का एक गतिशील समाधान और भारत के आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर विकास का प्रतीक बताया। उन्होंने यह भी कहा कि इस परियोजना की शुरूआत पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन सरकार के कार्यकाल में हुई थी, जिनकी दूरदृष्टि ने देश में आधुनिक मेट्रो रेल प्रणालियों की नींव रखी और देशभर में मेट्रो नेटवर्क के तीव्र विस्तार को गति दी।

अमरोहा नगर में अतिक्रमण हटाने व यातायात नियमों के पालन हेतु विशेष अभियान, 120 वाहनों के चालान

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमरोहा के निर्देशन में जनपद में सुचारु यातायात व्यवस्था बनाए रखने हेतु अमरोहा नगर क्षेत्र में विशेष चेकिंग एवं अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान यातायात प्रभारी अमरोहा द्वारा नगर पालिका परिषद अमरोहा के अमीन जकी अहमद को साथ लेकर सबीला तिराहा, लकड़ा चौराहा, धनोरा अड्डा सहित नगर के प्रमुख मार्गों पर सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण को हटवाया गया, जिससे यातायात सुचारु रूप से

संचालित हो सके। इस दौरान नो एंट्री में आने वाले वाहनों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए उनके चालान किए गए तथा आवश्यकतानुसार वाहनों को सीज भी किया गया। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले कुल 120 वाहनों के चालान किए गए। इसके

अतिरिक्त जनपद में आयोजित उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा को दृष्टिगत रखते हुए परीक्षार्थियों की सुविधा हेतु अमरोहा नगर के प्रमुख चौराहों पर परीक्षा केन्द्रों तक मार्गदर्शन हेतु साइन बोर्ड लगवाए गए। साथ ही नगर के सभी ऑटो रिक्शा चालकों को ब्रीफ किया गया कि किसी भी परीक्षार्थी से निर्धारित सामान्य किराए से अधिक किराया न लिया जाए। यदि कोई ऑटो रिक्शा चालक निर्धारित किराए से अधिक किराया वसूलते हुए पाया जाता है,

तो उसके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। अमरोहा पुलिस द्वारा आमजन से अपील की जाती है कि यातायात नियमों का पालन करें तथा सड़क पर अतिक्रमण न करें, जिससे यातायात व्यवस्था सुचारु एवं सुरक्षित बनी रहे।

सिटी मजिस्ट्रेट की छापेमारी में 11 घरेलू गैस सिलेंडर बरामद

संभल(सब का सपना):- घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडरों के व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में दुरुपयोग की सूचना पर शुक्रवार को सिटी मजिस्ट्रेट सम्भल ने आपूर्ति विभाग की टीम के साथ नगर में छापेमार कार्रवाई की।छापेमारी के दौरान अब्दुल जब्बार स्वीट्स, चारा मंडी चौधरी सराय से 3 घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर बरामद किए गए। वहीं फिजा स्वीट्स, एकता चौकी नखासा से 2 घरेलू गैस सिलेंडर मिले।इसी क्रम में फरमान स्वीट्स, पक्का बाग चौराहा से 1 घरेलू सिलेंडर तथा 24 कैरेट रेस्टोरेंट, चौधरी सराय से 3 खाली घरेलू और 1 खाली कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर बरामद हुए। इसके अलावा बाबा स्वीट्स, एजेंसी चौराहा सम्भल से 2 घरेलू गैस सिलेंडर मिले। छापेमारी के दौरान कुल 11 घरेलू गैस सिलेंडर और 1 कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर बरामद किए गए। अधिकारियों के अनुसार बरामद सिलेंडरों के संबंध में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

दिल्ली-एनसीआर वालों को बढ़ती गर्मी से मिलेगी राहत, बारिश की फुहारों से गिरेगा तापमान

नई दिल्ली। राजधानी में असामान्य गर्मी का दौर जारी है और तापमान लगातार 35 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है। हालांकि मौसम विभाग के मुताबिक शुक्रवार को इसमें राहत मिल सकती है। रविवार को कुछ इलाकों में हल्की बारिश की भी संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार से रविवार के बीच पश्चिमी विक्षोभ के असर से दिल्ली सहित एनसीआर में आंशिक बादल छाने के साथ हल्की वर्षा हो सकती है। इसके चलते तापमान में थोड़ी गिरावट आने की संभावना है। मौसम विभाग का कहना है कि शुक्रवार को अधिकतम तापमान 33 से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। 15 मार्च को सक्रिय होगा पश्चिमी विक्षोभ मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल अगले दो दिनों तक हल्की गर्मी बनी रह सकती है, लेकिन 15 मार्च को पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने पर मौसम का मिजाज बदल सकता है। इस बीच 30 से 32 डिग्री सेल्सियस के बीच अधिकतम तापमान दर्ज किया जा सकता है। दिल्ली का अधिकतम तापमान 35.8 डिग्री दर्ज इस बीच गुरुवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 35.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 6.9 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। न्यूनतम तापमान 18.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के औसत तापमान से 3.1 डिग्री अधिक है। शुक्रवार को दिल्ली में आंशिक रूप से बादल छाए रहने का अनुमान है। गुरुवार की अपेक्षा शुक्रवार को भी तापमान में कमी दर्ज की जा सकती है। अधिकतम तापमान 33 से 35 और न्यूनतम तापमान 17 से 19 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। 'खराब' श्रेणी में दिल्ली की हवा दूसरी तरफ पिछले छह दिनों से दिल्ली की हवा लगातार "खराब" श्रेणी में बनी हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक गुरुवार को दिल्ली का एक्यूआई 213 रहा। एक दिन पहले बुधवार को यह 244 रहा था। यानी एक दिन पहले की तुलना में 31 अंकों का सुधार हुआ है। इसके बावजूद हवा "खराब" श्रेणी में ही है। अगले दो दिनों के बीच दिल्ली के वायु गुणवत्ता में हल्का सुधार हो सकता है। दिल्ली के प्रमुख इलाकों का तापमान (डिग्री सेल्सियस में) पालम - 35.1 लोधी रोड - 36.1 रिज क्षेत्र - 36.6 आयानगर - 35.9

दिल्ली में ट्रैफिक फ्रॉड बेनकाब, फर्जी स्टिकर से नो-एंट्री में एंट्री का खेल; मास्टरमाइंड समेत 20 गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की एंटी रॉबरी एंड स्नैचिंग सेल (एआरएससी) ने ट्रैफिक फ्रॉड व वसूली करने वाले संगठित सिंडिकेट के दो और आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनमें सिंडिकेट का मास्टरमाइंड जय भगवान और उसका सहयोगी शिवम शर्मा शामिल हैं। इस कार्रवाई के साथ ही विशेष जांच टीम (एसआईटी) अब तक विभिन्न सिंडिकेट से जुड़े कुल 20 आरोपितों को गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से 282 मार्का/स्टिकर, छह मोबाइल फोन और एक स्विफ्ट डिजायर कार बरामद की है। ऐसे करते थे ट्रैफिक फ्रॉड और वसूली क्राइम ब्रांच के अनुसार यह गिरोह नो-एंट्री के दौरान व्यावसायिक माल वाहनों की आवाजाही कराने के लिए ट्रांसपोर्टरों

और वाहन मालिकों को हर महीने 2000 से 5000 रुपये में स्टिकर या मार्का बेचता था। इन स्टिकरों के जरिये वाहन चालक ट्रैफिक चेकिंग से बचने की कोशिश करते थे। जांच में यह भी सामने आया कि गिरोह के सदस्य ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की वीडियो बनाकर उन्हें एडिट कर सोशल मीडिया पर अपलोड कर देते थे। इसके जरिए वे पुलिसकर्मियों पर दबाव बनाकर वाहनों को छोड़ने के लिए मजबूर करते थे। दो अलग-अलग ऑपरेशन में हुई गिरफ्तारी पहली कार्रवाई में पांच मार्च 2026 को क्राइम ब्रांच ने जय भगवान को गिरफ्तार किया। वह हरियाणा के चरखी दादरी का रहने वाला है और दिल्ली के रिठाला स्थित विजय विहार में रह रहा था। दूसरी कार्रवाई में छह मार्च 2026 को शिवम शर्मा को उत्तर प्रदेश के फरुर्खाबाद से गिरफ्तार किया गया। जांच में सामने आया कि वह इस सिंडिकेट के लिए विभिन्न ट्रांसपोर्टरों और वाहन मालिकों को मार्का/ स्टिकर बांटने का काम करता था। पहले भी कई मामले दर्ज पुलिस के अनुसार जय भगवान पहले से हत्या, डकैती, आर्म्स एक्ट और पुलिसकर्मियों से वसूली से जुड़े चार मामलों में शामिल रहा है। वहीं शिवम शर्मा पेशे से ड्राइवर है और सिंडिकेट के सरगना जीशान अली का करीबी सहयोगी है। पुलिस ने आरोपितों के पास से 282 स्टिकर/मार्का, छह मोबाइल फोन और एक स्विफ्ट डिजायर कार बरामद की है। क्राइम ब्रांच के डीसीपी संजीव कुमार यादव ने बताया कि गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए

स्टेम सेल थेरेपी से मातृत्व की उम्मीद, एशरमैन सिंड्रोम से पीड़ित 2 महिलाओं ने दिया स्वस्थ बच्चों को जन्म

नई दिल्ली। प्रजनन उपचार के क्षेत्र में सर गंगाराम अस्पताल के विशेषज्ञों ने महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। अस्पताल के विशेषज्ञों ने गंभीर एशरमैन सिंड्रोम से पीड़ित दो महिलाओं का नाल से प्राप्त मेसेनकाइमल स्टेम सेल की मदद से सफल उपचार कर उन्हें मां बनने में मदद की। उपचार के बाद दोनों महिलाओं ने दो स्वस्थ बच्चों को जन्म दिया। यह उपचार अस्पताल के IVF एवं मानव प्रजनन केंद्र द्वारा चल रहे एक परीक्षण के तहत किया गया। क्या है एशरमैन सिंड्रोम? विशेषज्ञों के अनुसार एशरमैन सिंड्रोम एक ऐसी स्थिति है, जिसमें महिला के गर्भाशय के अंदर घाव बन जाते हैं। इसके कारण गर्भाशय सिकुड़ जाता है और महिला के लिए गर्भधारण करना कठिन हो जाता है। यह समस्या अधिकतर गर्भपात के बाद की सफाई, संक्रमण या सर्जरी के कारण हो सकती है। स्टेम सेल से कैसे किया गया उपचार? सर गंगाराम अस्पताल के क्श्त्रऋएवं मानव प्रजनन केंद्र की निदेशक डॉ. आभा मजूमदार ने बताया कि इस उपचार में महिला की नाल से प्राप्त मेसेनकाइमल स्टेम सेल को गर्भाशय की भीतरी परत के नीचे इंजेक्शन के रूप में दिया गया। इससे गर्भाशय की क्षतिग्रस्त परत के दोबारा बनने में मदद मिली और गर्भधारण संभव हो सका। क्या भविष्य में बन सकती है नई उम्मीद? डॉ. आभा मजूमदार के अनुसार यह तकनीक भविष्य में उन महिलाओं के लिए मातृत्व की नई उम्मीद बन सकती है, जिन्हें एशरमैन सिंड्रोम या गर्भाशय की अंदरूनी परत से जुड़ी गंभीर समस्याओं के कारण गर्भधारण में कठिनाई होती है।

दिल्ली सरकार मनाएगी विश्व बंजारा दिवस, मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा- भारत की संस्कृति में इनका महत्वपूर्ण योगदान

नई दिल्ली। बंजारा समाज का भारत के इतिहास, संस्कृति और व्यापारिक परंपरा में अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। देश में जब आधुनिक परिवहन व्यवस्था नहीं थी, तब बंजारा समाज ने अपने परिश्रम और साहस के बल पर देश के विभिन्न हिस्सों में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति कर व्यापार और सामाजिक जीवन को मजबूत किया। उनकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराएं और राष्ट्र निर्माण में योगदान हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं।

दिल्ली सरकार आगामी 8 अप्रैल को विश्व बंजारा दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम आयोजन करेगी। यह बात कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री कपिल मिश्रा ने बृहस्पतिवार को बंजारा विमुक्त घुमन्तु कल्याण संघ दिल्ली प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई बैठक के दौरान कही। विभागों के जरिये लगातार काम करती रहेगी। प्रतिनिधिमंडल ने आगामी कार्यक्रम में बंजारा समाज के इतिहास और संस्कृति पर संगोष्ठी, प्रतिभाशाली विद्यार्थियों एवं सामाजिक कार्यकताओं का सम्मान, पारंपरिक लोक कला एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के आयोजन को लेकर सुझाव दिए। बैठक में उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्य मंत्री ओमप्रकाश नायक, संघ की अध्यक्ष कविता राठौड़, संयोजक बंजारा घुमंतू प्रकोष्ठ हुकुम सिंह राठौड़, जसमेर सिंह बंजारा, ममता राठौड़ व राजकुमार राठौड़ आदि मौजूद थे।

'दिल्ली के गुरुद्वारों में चलता रहे लंगर', डीएसजीएमसी ने हरदीप पुरी को लिखा पत्र; निर्बाध एलपीजी आपूर्ति की मांग

नई दिल्ली। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) ने केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी को पत्र लिखकर दिल्ली के ऐतिहासिक गुरुद्वारों में लंगर वितरण के लिए एलपीजी गैस सिलेंडर की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है। यह पत्र 12 मार्च 2026 को जारी किया गया। गैस सिलेंडर की आपूर्ति पर रोक डीएसजीएमसी , जो दिल्ली सिख गुरुद्वारा अधिनियम, 1971 के तहत स्थापित एक वैधानिक निकाय है, दिल्ली में सिखों के धार्मिक मामलों और गुरुद्वारों के रखरखाव का प्रबंधन करता है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि विश्व स्तर पर चल रहे युद्ध (विशेष रूप से पश्चिम एशिया में ईरान से जुड़े संघर्ष) के कारण गैस एजेंसियों द्वारा गैस सिलेंडर की आपूर्ति रोक दी गई है, जिससे गुरुद्वारों में लंगर (मुफ्त सामुदायिक रसोई) वितरण प्रभावित हो रहा है। लंगर सिख धर्म का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जहां लाखों श्रद्धालुओं को रोजाना मुफ्त भोजन प्रदान किया जाता है। गुरुद्वारों में लंगर सेवा निर्बाध जारी रहे पत्र में अनुरोध

किया गया है कि मंत्री संबंधित विभागों को निर्देश दें ताकि DSGMC को गैस सिलेंडर की आपूर्ति प्रभावित न हो और ऐतिहासिक गुरुद्वारों में लंगर सेवा निर्बाध जारी रहे। यह मांग ऐसे समय में आई है जब भारत में एलपीजी संकट गहरा रहा है। ईरान युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य में शिपिंग बाधित होने से भारत के एलपीजी आयात पर असर पड़ा है, जो देश की कुल जरूरत का बड़ा हिस्सा है। केंद्र सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देते हुए वाणिज्यिक सिलेंडर की आपूर्ति सीमित कर दी है, जिससे रेस्तरां, होटल और सामुदायिक रसोई प्रभावित हो रही हैं। दिल्ली में सिलिंडर की कालाबाजारी दिल्ली में कई जगहों पर ब्लैक मार्केट में सिलेंडर 5000 रुपये से अधिक में बिक रहे हैं, जबकि कई प्रतिष्ठान बंद हो रहे हैं। इसी तरह अमृतसर के स्वर्ण मंदिर (एसजीपीसी) ने भी केंद्र से लंगर के लिए गैस आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है। सरकार ने हालांकि आश्वासन दिया है कि घरेलू आपूर्ति सुरक्षित है और वैकल्पिक स्त्रोतों से आयात बढ़ाया जा रहा है, लेकिन वाणिज्यिक और धार्मिक संस्थाओं के लिए चुनौतियां बनी हुई हैं। उत्र्ऋटउ का यह पत्र धार्मिक महत्व की सेवा को बनाए रखने की जरूरत पर जोर देता है, जो लाखों लोगों के लिए आस्था और सेवा का प्रतीक है।

हॉकी विश्वकप 2026 : खिताब जीतने पर भारतीय महिला टीम का ध्यान, सेमीफाइनल में इटली की चुनौती

हैदराबाद (एजेंसी)। एफआईएच हॉकी महिला विश्वकप 2026 के लिए क्वालिफाई कर चुकी भारतीय टीम घरेलू दर्शकों के सामने इटली के खिलाफ शुक्रवार को सेमीफाइनल में जीत दर्ज कर टूर्नामेंट के खिताब की ओर कदम बढ़ाने उतरेगी। भारतीय टीम पूल बी में तीन मैचों में सात पॉइंट्स और स्कॉटलैंड पर बेहतर गोल डिफरेंस के साथ शीर्ष पर है। मेजबान टीम ने पूल स्टेज में दो जीत और एक ड्रॉ दर्ज किया।

भारत ने अपने अभियान की शुरुआत उरुग्वे के खिलाफ 4-0 की जबरदस्त जीत के साथ की। अपने दूसरे मैच में, उन्होंने स्कॉटलैंड के खिलाफ 2-2 से करीबी मुकाबला ड्रॉ खेला और फिर वेल्स पर 4-1 की आसान जीत के साथ पूल स्टेज खत्म किया। पूल स्टेज में शानदार प्रदर्शन के साथ भारत ने टूर्नामेंट के नियम के तहत एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपना क्वालिफिकेशन पक्का कर लिया, जिसके तहत दो क्वालिफाइंग इवेंट्स में चौथे नंबर पर रहने वाली दुनिया की सबसे ऊंची रैंक वाली टीम को वर्ल्ड कप में जगह मिलती है।

क्वालिफायर्स का सैंटियागो लेग पहले खत्म हो गया था, जहां चिली, ऑस्ट्रेलिया और आयरलैंड ने तीन डायरेक्ट क्वालिफिकेशन स्पॉट हासिल किए थे। जापान सैंटियागो में चौथे नंबर पर रहा और अभी दुनिया में 15वें नंबर पर है। दुनिया भर नौवें नंबर की टीम मेजबान भारत ने कम से कम यह पक्का कर लिया है कि वे दोनों टूर्नामेंट्स में सबसे ऊंची रैंक वाली चौथी टीम के तौर पर खत्म करेंगे, जिससे विश्व कप के लिए उनका टिकट पक्का हो गया है। अब उनका मकसद अपनी लय बनाए रखते हुए फाइनल में जगह बनाने पर होगा।

फाइनल में भारत का मुकाबला इटली से होगा। इटली पूल ए में चार अंक के साथ दूसरे नंबर पर रहा है, जिसने एक जीत, एक ड्रॉ और एक हार दर्ज की है, जिससे मेजबान टीम को सेमीफाइनल से पहले थोड़ी साइकोलॉजिकल बढ़त मिली है। भारत की फॉरवर्ड नवनीत कौर के शानदार फॉर्म को भी आगे बढ़ाना चाहेगा, जो अभी चार गोल के साथ टूर्नामेंट की संयुक्त शीर्ष स्कोरर हैं। उन्होंने वेल्स के खिलाफ आखिरी पूल मैच में हैट्रिक बनाकर शानदार प्रदर्शन किया था।

वहीं इटली की बात की जाए तो वह फेडेरिका काटर पर निर्भर रहेगा, जो उनकी मुख्य अटैकिंग खिलाड़ी रही हैं और उन्होंने अब तक इस कॉम्पिटिशन में तीन गोल किए हैं। हेड-टू-हेड मुकाबलों की बात करें तो, भारत और इटली 2012 से सात बार एक-दूसरे से भिड़ चुके हैं। भारत ने उनमें से पांच मैच जीते हैं, जबकि इटली ने एक जीत दर्ज की है और एक गेम ड्रॉ रहा है, जिससे मेजबान टीम को सेमीफाइनल से पहले थोड़ी साइकोलॉजिकल बढ़त मिली है।

सेमीफाइनल से पहले भारतीय टीम के मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा, 'एफआईएच हॉकी विमेंस वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालिफाई करना इस ग्रुप के लिए एक जरूरी माइलस्टोन है, और प्लेयर्स ने टूर्नामेंट में अब तक जिस तरह का प्रदर्शन किया है, उसके लिए वे बहुत क्रेडिट की हकदार हैं। उन्होंने पूरे

पूल स्टेज में अच्छा डिसिप्लिन, कॉम्पोजर और अटैकिंग इंटेंट दिखाया है।

इटली एक कॉम्पिटिटिव टीम है और उन्होंने इस टूर्नामेंट में दिखाया है कि वे मजबूत टीमों को परेशान कर सकते हैं। हमारे लिए, फोकस अपने प्लान को अच्छी तरह से एग्जिक्यूट करने, अपने स्ट्रक्चर को बनाए रखने और उसी ऊर्जा और विश्वास के साथ खेलते रहने पर होगा।' भारतीय महिला टीम शुक्रवार को शाम सात बजकर 30 मिनट पर सेमीफाइनल में इटली से भिड़ेगी।

वैभव को एशियाई खेलों के लिए मिल सकती है भारतीय टीम में जगह

इंडियन वेल्स (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंधी को इस भारतीय सीनियर क्रिकेट टीम से डेब्यू का अवसर मिल सकता है। इसका कारण है कि इस साल भारतीय टीम का काफी व्यस्त कार्यक्रम है और उसे अपनी धरती के साथ ही विदेशी मैदानों पर भी काफी क्रिकेट खेलना है। इसी को देखते हुए ये भी हो हो सकता है भारतीय बोर्ड दो टीमें उतारे जिस एक अनुभवी और दूसरी युवा क्रिकेटरों से भरी रहेगी। उसे जून से लेकर अक्टूबर तक लगाता कई टीमों से खेलना है। इसी दौरान उसे जिम्बाब्वे के अलावा नई टीम आयरलैंड से भी खेलना है। वैभव ने पिछले कुछ समय से भारतीय अंडर 19 के लिए काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। इसी को देखते हुए उन्हें इस साल के अंत में एशियाई खेलों में उतरने का अवसर मिल सकता है।

वर्तमान कार्यक्रम के अनुसार भारतीय टीम को जून में अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट और तीन एकदिवसीय मुकाबले खेलने हैं, जिसके बाद जुलाई में वह सीमित ओवरों के लिए इंग्लैंड का दौरा करेगी। भारतीय टीम इस दौरान 5 टी20 के साथ ही 3 एकदिवसीय मैच खेलेगी। इसके अलावा इस व्यस्त कार्यक्रम के बीच दो नए दौरे भी जुड़ सकते हैं। इंग्लैंड पहुंचने से पहले भारत डबलिन में आयरलैंड के खिलाफ तीन टी20 मैचों की छोटी सीरीज खेल सकता है। वहीं श्रीलंका क्रिकेट समुद्री तूफान 'दित्वह' से हुए नुकसान की कमी पूरी करने के लिए भारत के खिलाफ दो टेस्ट मैचों से पहले तीन टी20 मैच खेलने का अनुरोध कर सकती है।

आईसीसी ने टी20 विश्वकप विजेताओं पर की इनामों की बारिश, भारतीय टीम को मिले 24 करोड़

–उपविजेता न्यूजीलैंड को मिले 13 करोड़ रुपये

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पुरुष टी20 विश्वकप 2026 के लिए इनामी राशि घोषित कर दी है। टूर्नामेंट में कुल 11.25 मिलियन अमेरिकी डॉलर करीब (1 अरब, 39 करोड़, 4 लाख, 43 हजार) की इनामी राशि दी गयी है। इस बार की इनामी राशि पिछली बार से अधिक है। इसमें विजेता भारतीय टीम को 2.63 मिलियन डॉलर करीब 24.3 करोड़ रुपये जबकि उपविजेता न्यूजीलैंड को 26,39,423 अमेरिकी करीब 13 करोड़ की इनामी राशि मिली है। वहीं सेमीफाइनल हारने वाली दक्षिण अफ्रीकी टीम को 10,05,577 डॉलर करीब 9 करोड़ रुपये और इंग्लैंड की टीम को 9,74,423 डॉलर करीब 8 करोड़ रुपये मिले हैं। वहीं सुपरआठ की चार टीमों, वेस्टइंडीज को 5,38,269 डॉलर करीब 4 करोड़ 95 लाख रुपये। वहीं पाकिस्तान 4,91,538 डॉलर करीब 4 करोड़ 80 लाख। जिम्बाब्वे को 4,91,538 डॉलर करीब 4 करोड़ 51 लाखा, श्रीलंका को 475,962 डॉलर करीब 4 करोड़ 37 लाख रुपये मिलेंगे।

इस बीच, जो टीमें सुपर 8 स्टेज तक पहुंचीं लेकिन आगे नहीं बढ़ पाईं, जिनमें अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और यूएसए शामिल हैं, उनमें से प्रत्येक टीम को 3,09,808 डॉलर दिए जाएंगे। 2 करोड़ 85 लाख रुपये दिये जाएंगे।

शेष प्रतिभागियों में स्कॉटलैंड को 2,78,654 डॉलर करीब 2 करोड़ 56 लाख और आयरलैंड को 2,71,731 डॉलर करीब 2 करोड़ 49 लाख रुपये मिलेंगे। इस बीच, इटली, नीदरलैंड्स, यूनाइटेड अरब अमीरात और नेपाल को 2,56,154 डॉलर करीब 2 करोड़ 35 लाख रुपये देने की घोषणा की गई है

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के पहले स्टेज में बाहर हो होने वाली कनाडा, नामीबिया और ओमान की टीमों को 2,25,000 डॉलर करीब 2 करोड़ 6 लाख का इनाम लाग लेने के लिए दिया गया है।

पिछले विश्वकप की तरह खेलते तो शायद ही जीत मिलती: सूर्यकुमार

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव का मानना है कि समय के साथ ही खेल की रफ्तार भी बदल रही है, ऐसे में आक्रामक अंदाज अपनाना सफल रहा। वहीं अगर अगर भारतीय टीम पिछले टी20 विश्व कप की तरह खेलती तो उसे इसबार शायद ही जीत मिलती। सूर्या का कहना है कि पिछली बार जब रोहित शर्मा और विराट कोहली के समय भारतीय टीम जीती थी तब हालात अलग थे। वहीं अब अलग हैं।

कप्तान रोहित और कोच राहुल द्रविड़ के नेतृत्व में भारतीय टीम का खेल बेहद संतुलित और अनुभव पर आधारित माना जाता था। यह रणनीति 2024 तक प्रभावी रही पर दो साल बाद टी20 क्रिकेट की बदलती मांगों के सामने यह थोड़ी धीमी और पारंपरिक लगने लगी। इसी कारण सूर्यकुमार और

मुख्य कोच गौतम गंभीर ने इस बार खिलाड़ियों को निडर होकर खेलने को कहा। इससे टीम में यह साफ संदेश दिया गया कि अब कोई भी खिलाड़ी निजी उपलब्धियों के पीछे न जाकर टीम की जीत के लिए खेलेगा। इसी कारण जरूरत के अनुसार किसी भी खिलाड़ी को किसी भी क्रम पर उतारा गया। सूर्यकुमार ने कहा, हमें पता था कि 2024 टी20 विश्व कप में जिस तरह का क्रिकेट हमने खेला था, वह आगे काम नहीं करेगा। इसलिए हमने तय किया कि अब व्यक्तिगत रिकॉर्ड पर ध्यान नहीं देंगे, हमारा ध्यान सिर्फ मैच जीतना होगा। इसी कारण सेमीफाइनल तक हमारे किसी भी खिलाड़ी का नाम सबसे ज्यादा रन बनाने वालों या सबसे ज्यादा विकेट लेने वालों की सूची में नहीं था पर इसके बाद भी हम जीत रहे थे। इस कारण है कि हर खिलाड़ी योगदान दे रहा था। उन्होंने आगे कहा कि इस सोच को टीम में शुरू से ही मजबूत करना जरूरी था।वहीं भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक से भी माना है कि साल 2024 और 2026 की टीमों के बीच अंतर था। उनका मानना है कि 2024 की टीम अनुभव से भरी थी पर उसमें इतनी आक्रामकता नहीं थी। तब रोहित आक्रामक होकर खेलते थे जबकि विराट एक छोर संभाले रहते थे। वहीं अब टीम में कम अनुभव वाले खिलाड़ी हैं, लेकिन उनमें आक्रामकता और आत्मविश्वास भरा हुआ है। टीम में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या जैसे खिलाड़ी संतुलन लाते हैं, जबकि अभिषेक शर्मा जैसे युवा खिलाड़ी अपनी अलग शैली के साथ विरोधी टीम पर दबाव बना देते हैं।

ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में खेला जाएगा टी20 विश्वकप का अगला सत्र

मुम्बई ।आईसीसी टी20 विश्वकप का 11 वां सत्र अब साल 2028 में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में संयुक्त रुप से खेला जाएगा।यह टूर्नामेंट 21 अक्टूबर से 19 नवंबर, 2028 के बीच होगा।इस प्रकार साल 2022 के बाद ऑस्ट्रेलिया को दूसरी बार इस वैश्विक इवेंट की मेजबानी का अवसर मिलेगा।वहीं न्यूजीलैंड में पहली बार इस टूर्नामेंट का आयोजन होगा।टूर्नामेंट के आयोजन की जिम्मेदारी डेम थेरेसी वॉल्श के पास है।वाल्श के अनुसार ये मुकाबले ऑस्ट्रेलिया में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी), सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी), एडिलेड ओवल और पर्थ का ऑप्टस स्टेडियम में खेले जाएंगे।वहीं न्यूजीलैंड में ऑकलैंड के ईडन पार्क, वेलिंगटन के स्काई स्टेडियम और क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में होंगे।.इसमें 20 टीमें भाग लेंगी।इस टूर्नामेंट में भी आईसीसी का साल 2024 का ही प्रारुप लागू रहेगा।इस टूर्नामेंट के लिए 12 टीमों को स्थान मिल गया है।ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड को मेजबान होने के कारण पहले ही जगह मिल गयी है।वहीं इस साल की विजेता भारतीय टीम के अलावा, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, पाकिस्तान, वेस्टइंडीज, श्रीलंका और जिम्बाब्वे. को भी इसमें रैंकिंग के आधार पर जगह मिली है।इसके अलावा अफगानिस्तान, बांग्लादेश और आयरलैंड को भी शामिल किय गया हैं।वहीं बचे 8 स्थानों के लिए रीजनल क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट इस साल के बीच में शुरू होंगे।अमेरिका और यूरोप में उप–रीजनल क्वालीफायर आयोजित किए जाएंगे, जिससे एसोसिएट देशों को भी 20 टीमों में शामिल होने का अवसर मिलेगा।

शुभमन के लिए टी20 टीम में वापसी संभव नजर नहीं आती : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने कहा है कि बल्लेबाज शुभमन गिल को टी20 टीम में जगह मिलने की कोई संभावना नहीं है।आकाश के अनुसार शुभमन की बल्लेबाज टी20 के अनुरुप नहीं है और ऐसे में उन्हें इसमें कप्तानी मिलने की उम्मीद तो करनी ही नहीं चाहिये।आकाश के अनुसार उनके लिए तो इस सबसे छोटे प्रारुप में जगह बनाना भी मुश्किल है।शुभमन अभी टेस्ट और एकदिवसीय टीम के कप्तान हैं।वह पिछले साल टी20 में वापसी में सफल रहे थे पर अच्छा प्रदर्शन नहीं करने के कारण अपनी जगह बरकरार नहीं रख पाये। एशिया कप में उन्हें उपकप्तान बनाया गया था पर वह टीम को आक्रामक शुरुआत नहीं दे पाये।वह वापसी के बाद 15 मैचों में एक बार भी पचास रन नहीं बना पाये। इसी कारण उन्हें टी20 विश्वकप के लिए जगह नहीं मिली थी।शुभमन ने भारतीय टीम की ओर से 36 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 869 रन बनाये हैं।इस दौरान उनका औसत 28.03 और स्ट्राइक रेट 138.59 का रहा। आकाश ने कहा,शुभमन के लिए वापसी बेहद कठिन है। भारतीय टीम की बड़ी सोच थी कि तीनों प्रारुपों का एक कप्तान होना चाहिए ताकि आसानी हो पर ये संभव नहीं दिखता।वह टेस्ट और एकदिवसीय के कप्तान हैं लेकिन टी20 की कप्तानी नहीं मिल सकती।इस समय तो भारत की टी20 टीम में जगह मिलना भी कठिन है।अभी भारतीय टीम जिस अंदाज में खेल रही है।उसको देखते हुए बड़े स्कोर के लिए आक्रामक बल्लेबाजों की जरुरत होती है।ऐसे में उन्हें इस प्रारुप के प्रयास में एकदिवसीय की लय नहीं खोनी चाहिये।वहीं टीम से बाहर किए जाने के बाद शुभमन ने कहा था कि वह चयनकर्ताओं के फैसले का सम्मान करते हैं और जब भी अवसर मिलेगा अपनी पूरी क्षमता के साथ योगदान देने की कोशिश करेंगे।

धोनी का निचले क्रम पर उतरना सहित नहीं : पुजारा

चेन्नई ।बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने कहा है कि पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी भले ही 44 साल के हो गये हैं पर इसके बाद भी उनके खेलने से चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को लाभ ही होगा।पुजारा के अनुसार धोनी अगर 20 से 30 गेंदों का भी सामन करते हैं तो भी वह मैच बदल सकते हैं।गौरतलब है कि बढ़ती उम्र और फिटनेस की दिक्कतों के कारण धोनी पिछले कुछ समय से निचले क्रम पर ही उतर रहे हैं पर पुजारा का मानना है कि ये सही नहीं है।उनका कहना है कि धोनी का निचले क्रम पर खेलने का फैसला सही नहीं है।वह ऊपरी क्रम पर टीम के लिए अहम भूमिका निभा सकते हैं। पुजारा ने कहा, 'मुझे धोनी के नंबर 8 या 9 पर बल्लेबाजी करना सही नहीं दिखता क्योंकि आज भी उनकी बल्लेबाजी ऐसी है कि वह मैच का रुख मोड़ सकते हैं।निचले क्रम पर अगर वह सिर्फ 5 या 10 गेंद खेलकर ही प्रभावित कर सकते हैं तो 25 या 30 गेंदें खेलने पर तो तूफान ही मचा देंगे।.' पुजारा का मानना है कि धोनी जिस प्रकार के हिटर हैं उसको देखते हुए उन्हें ऊपरी क्रम पर भेजा जाना चाहिये।पुजारा ने कहा कि सीएसके के ड्रेसिंग रूम का माहौर काफी अच्छा रहता है। इसी कारण टीम और खिलाड़ी एक दूसरे के प्रति समर्पित रहते हैं। खिलाड़ियों को मालूम होता है कि उनसे टीम किस प्रकार की उम्मीदें करती है।इसी कारण सीएसके में रहने वाला हमेशा उसके साथ बना रहता है।वहीं टीम के सीईओ काशी विश्वनाथन के अनुसार हमेशा ही आईपीएल से पहले धोनी की फिटनेस और उनके हर मैच खेलने को लेकर भी अटकलें रहती हैं पर ये तय है कि वह अंतिम ग्यारह में बने रहेंगे।

कार्लोस अल्काराज लगातार पांचवीं बार इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में पहुंचे

इंडियन वेल्स (एजेंसी)। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने अपनी जीत का सिलसिला 16 मैचों तक बढ़ाया और गुरुवार को बीएनपी परीबा ओपन में लगातार पांचवें इंडियन वेल्स सेमीफाइनल में पहुंचे। टॉप सीड खिलाड़ी ने कैमरन नॉरी के खिलाफ 6-3, 6-4 से जीत हासिल की, जिससे उन्होंने ब्रिटेन के खिलाड़ी से बदला ले लिया, जिसने उन्हें पिछले नवंबर में पेरिस में हराया था।

अल्काराज ने कोर्ट पर अपने इंटरव्यू में नॉरी के बारे में कहा, 'मुझे उनके स्टाइल से बहुत दिक्कत होती है। हर बार जब मैं उनके खिलाफ खेलता हूं तो यह मेरे लिए हमेशा बहुत मुश्किल होता है। उनके स्टाइल, उनके (हैवी) टॉपस्पिन फोरहैंड, सुपर हाई के साथ यह थोड़ा कन्फ्यूजिंग है। और फिर बैकहैंड, बहुत फ्लैट और बहुत लो। कभी-कभी उनके खिलाफ खेलना मुश्किल होता है। मुझे सही शॉट मिल रहा है। मैंने अच्छा खेला। मैंने सॉलिड खेला। जब भी हो

सका, मैंने एग्रेसिव खेला। मैं इस लेवल पर खेलकर खुश हूं।'

अल्काराज और नॉरी ने पूरे मैच में मोमेंटम बदला, लेकिन स्पेन के खिलाड़ी ने ज़्यादातर अपना पलड़ा भारी रखा। पहला सेट आखिरी चार गेम में तीन बार सर्व ब्रेक के साथ खत्म हुआ। इसके बाद नॉरी ने दूसरे सेट में 2-0 की बढ़त बना ली, जिसके बाद अल्काराज ने लगातार चार गेम जीतकर जवाब दिया। 22 साल के खिलाड़ी ने 10 ब्रेक के मौके बनाए, जिनमें से चार को भुनाया। तेज बेसलाइन हिटिंग, हल्के ड्रॉप शॉट और शानदार नेट प्ले का मिक्स दिखाते हुए, दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी ने एक घंटे 33 मिनट में जीत हासिल की।

अल्काराज ने कहा, 'टेनिस लगभग आधे सेकंड में सही शॉट चुनने के बारे में है,' जिन्होंने 19 फोरहैंड विनर के साथ गेम खत्म किया। 'कभी-कभी मैं शॉट मिस कर देता हूँ क्योंकि मैंने सही वाला नहीं चुना होता। मेरे दिमाग में, मेरे पास सात, पाँच ऑप्शन होते हैं, कभी-कभी मेरे लिए सही वाला चुनना मुश्किल होता है।'

अपनी जीत के साथ, अल्काराज लगातार पांच इंडियन वेल्स सेमीफ़ाइनल में पहुंचने वाले तीसरे व्यक्ति बन गए, उनके हमवतन राफेल नडाल (2006-13) और विरोधी नोवाक जोकोविच (2011-16) ही उनसे आगे हैं। अल्काराज हेड2हेड सीरीज में नॉरी से 6-3 से आगे हैं। 26 बार के टूर-लेवल टाइटलिस्ट सेमीफाइनल में दानिल मेदवेदेव के खिलाफ अपने 6-2 के रिकॉर्ड को बेहतर करना चाहेंगे। अल्काराज ने मेदवेदेव के साथ अपने पिछले चार मुकाबले जीते हैं। अल्काराज ने 2023 और 2024 में इंडियन वेल्स का खिताब जीता, दोनों फाइनल में मेदवेदेव को हराया।

आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटंस के सहायक कोच की भूमिका में नजर आयेंगे दहिया

अहमदाबाद ।गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2026 में बेहतर प्रदर्शन के लिए पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज विजय दहिया को अपना नया सहायक कोच बनाया है।दहिया कोच के तौर पर काफी सफल रहे हैं।वह दो बार की खिताब विजेता कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) में भी सहायक कोच रहे है।इसके अलावा उनके कोच रहते ही दिल्ली ने रणजी ट्रॉफी खिताब भी जीता था।अब देखना है कि गुजरात को दहिया से कितना लाभ मिलता है।इससे पहले टीम ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन को बल्लेबाजी कोच नियुक्त था।ऐसे में दहिया को उनके साथ मिलकर टीम की बल्लेबाजी को निखारना होगा।गुजरात टाइटंस को उम्मीद है कि दाहिया के होने से टीम का कोचिंग स्टाफ और बेहतर तरीके से खिलाड़ियों का मार्गदर्शन कर पायेगा।दहिया ने एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय के साथ ही दो टेस्ट मैच भारतीय टीम की ओर से खेले हैं।खेल से संन्यास के बाद वह कोच के तौर पर घरेलू क्रिकेट में दिल्ली के साथ जुड़े रहे हैं।दहिया के कोच रहते ही साल 2007–08 सत्र में दिल्ली ने रणजी ट्रॉफी खिताब जीता और उसके बाद से वह कई अन्य घरेलू और आईपीएल टीम के भी कोच रहे हैं।गुजरात की टीम आईपीएल में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम में से एक हैं।वह अपने शुरुआती चार सत्र में से तीन में प्ले ऑफ में पहुंची और उसने एक बार खिताब भी जीता है।

रंकीरेड्डी के कंधे में दर्द के कारण उनकी और चिराग की जोड़ी स्विस ओपन से हटी

बासेल ।सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी के कंधे में दर्द के कारण उनकी और चिराग शेट्टी की शीर्ष भारतीय पुरुष जोड़ी ने शुक्रवार को स्विस ओपन के क्वार्टर फाइनल मुकाबले से पहले टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया।इस सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के अंतिम आठ युगल मुकाबलों में रंकीरेड्डी और शेट्टी का मुकाबला डेनमार्क के क्रिश्चियन फॉस्ट कजेर और रासमस कजेर से होना था। बैडमिंटन में सबसे तेज स्मैश से सुर्खियां बटोरने वाले अमलापुरम के 25 वर्षीय रंकीरेड्डी अपने दाहिने कंधे की समस्या से जूझते रहे हैं। रंकीरेड्डी ने 2023 में बैडमिंटन में सबसे तेज स्मैश का गिनीज विश्व रिकॉर्ड बनाया था, जिसकी गति 565 किलोमीटर प्रति घंटा थी।भारतीय टीम के मलेशिया मूल के कोच टैन किम हर ने 'पीटीआई' को बताया, 'यह पुरानी चोट है।उम्मीद है कि वह जल्दी ठीक हो जाएंगे।इसमें कम से कम एक सप्ताह लगेगा।' समझा जा रहा है कि यह चोट नयी नहीं है और शीर्ष स्तर पर खेलने वाले खिलाड़ियों में आम है।भारतीय जोड़ी ने बृहस्पतिवार को प्री–क्वार्टर फाइनल में जापान के हिरोकी ओकामूरा और क्योहेई यामाशिता के खिलाफ 74 मिनट के कड़े मुकाबले में 21–15, 15–21, 28–26 से जीत हासिल की।एशियाई खेलों के चैंपियन सात्विक और चिराग अब सात से 12 अप्रैल तक होने वाली बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगे।भारतीय जोड़ी ने 2023 में खिताब जीता था।

सैमसन के होने से राजस्थान के खिलाफ पहले ही मुकाबले में भारी पड़ेगी सीएसके : इरफान पठान

नई दिल्ली।पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान के अनुसार आईपीएल में इस बार बल्लेबाज संजू सैमसन के आने का लाभ चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को मिलेगा। आईपीएल नीलामी के पहले ही ट्रेड डील के तहतर ही सीएसके ने राजस्थान रॉयल्स से सैमसन को हासिल कर लिया था।पठान के अनुसार जिस प्रकार का जबरदस्त प्रदर्शन विश्वकप में सैमसन ने किया है। उससे वह काफी अच्छे फार्म में हैं। ऐसे में उनके होने भर से राजस्थान रॉयल्य के खिलाफ होने वाले शुरुआती मैच में सीएसके की टीम के पास जीत के अधिक अवसर रहेंगे।पठान के अनुसार, सैमसन लंबे समय तक रॉयल्स में शामिल रहे हैं।ऐसे में उन्हें टीम की रणनीति के अलावा, खिलाड़ियों के खेलने के तरीके का भी अंदाजा है। इसका लाभ भी सीएसके को मिलेगा। सीएसके ने सैमसन को लगभग 18 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा है।वहीं इसके बदले में सैम कुरम और अनुभवी ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा राजस्थान रॉयल्स की टीम में चले गए।पठान के अनुसार सैमसन के होने से टीम को रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले में काफी लाभ होगा। इसका कारण है कि सैमसन लंबे समय तक राजस्थान में रहे है और जानते हैं कि टीम केपावरप्ले में किस प्रकार खेलती है, बीच के ओवरों में उनकी रणनीति क्या होती है और गेंदबाजी संयोजन कैसे काम करता है।सीएसके अपना पहला मैच 30 मार्च को गुवाहाटी में खेलेगी। संजू सैमसन एक दशक से भी अधिक समय तक राजस्थान रॉयल्स का अहम हिस्सा रहे हैं।उन्होंने 2013 में टीम के साथ अपना सफर शुरू किया और जल्द ही टीम के प्रमुख बल्लेबाजों में शामिल हो गए।बाद में उन्हें टीम की कप्तानी भी सौंपी गई। आईपीएल में सैमसन का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के लिए 150 से ज्यादा पारियां खेलते हुए 4,000 से अधिक रन बनाए हैं। उनके नाम दो शतक और कई अर्धशतक दर्ज हैं।उनका स्ट्राइक रेट भी 140 से अधिक रहा है।ऐसे में वह लीग के सबसे बेहतर बल्लेबाजों में से एक हैं।

मैं सिर्फ टाइमिंग पर ध्यान देती हूं, मेडल्स पर नहीं : पैरालंपिक प्रीति पाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रीति पाल, जो पैरालंपिक खेलों में ट्रैक एंड फील्ड इवेंट्स में दो मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट हैं, ने अपनी सफलता का राज बताया है। उनका कहना है कि वह सिर्फ अपनी टाइमिंग बेहतर करने पर ध्यान देती हैं और मेडल जीतने के बारे में सोचकर खुद पर दबाव नहीं डालतीं।

प्रीति ने 2024 पेरिस पैरालंपिक्स में दो ब्रॉन्ज मेडल जीते थे - एक महिलाओं की 100मी रेस में और दूसरा 200मी टी35 रेस इवेंट में। बुधवार को चल रहे वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री में महिलाओं की 100मी टी35/टी37 रेस में गोल्ड मेडल जीतने के बाद यूनीवार्ता से बात करते हुए प्रीति ने कहा, 'यह वह मुकाबला है जहां हर कोई अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करता है। यहां बात मेडल की नहीं, बल्कि टाइमिंग की होती है। यहां मुकाबला करने आए सभी एथलीटों ने अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश की है। मुझे तो यह भी लगता है कि मैं ठीक वैसा प्रदर्शन नहीं कर पाई जैसा मैं ट्रेनिंग के दौरान कर रही थी।'

वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री 11 से 13 मार्च तक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेला जा रहा है जिसमें 8 देशों के एथलीट हिस्सा ले रहे हैं। प्रीति ने रेस में गोल्ड मेडल जीतने के लिए 14.46 सेकंड का समय लिया। रूस की मार्गरीटा माताएवा 16.25 सेकंड के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि करीना माचुलस्काया ने 17.38 सेकंड के समय के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

एक पैरा एथलीट के तौर पर उन्हें जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ा, उन पर बात करते हुए इस स्प्रिंटर ने कहा कि चोटें एथलीटों के लिए सबसे बड़ी रुकावटों में से एक बनी रहती हैं, खासकर तेज रफ्तार वाले स्पीड सेशंस के दौरान। 'कई दिक्कतें आई हैं, खासकर चोटें। चोटें तो हर एथलीट को लगती हैं। जब हम स्पीड सेशंस शुरू करते हैं, तो चोट लगने का खतरा बढ़ जाता है। रिकवरी बहुत जरूरी हो जाती है। हमारे कोच हमें आइस बाथ (बर्फ के पानी में नहाना) दिलवाकर रिकवरी में मदद करते हैं, जिससे बहुत फ़ायदा होता है।'

उन्होंने यह भी जोड़ा कि चोट-मुक्त रहने से एथलीट ट्रेनिंग, खान-पान और आराम पर बेहतर तरीके से ध्यान दे पाते हैं। मुकाबले की अपनी तैयारियों के बारे में प्रीति ने बताया कि पिछले एक महीने से ट्रेनिंग के दौरान वह अपनी अब तक की सबसे अच्छी टाइमिंग हासिल कर रही थीं। 25 साल की इस एथलीट ने खिलाड़ियों को बेहतर बनाने में मदद करने के लिए नेशनल ट्रेनिंग ग्रुप को श्रेय दिया।

प्रीति ने कहा, 'हमारी तैयारी बहुत अच्छी रही है। नेशनल टीम में हम एक ग्रुप के तौर पर ट्रेनिंग करते हैं और एक-दूसरे से सीखते हैं। हमारे साथ सिमरन शर्मा जैसी एथलीट हैं, जो अर्जुन अवॉर्ड विजेता और पैरालंपिक मेडलिस्ट हैं, और चिराग बरेठा हैं, जो पहले दुनिया में नंबर एक रैंक

पर थे। साथ में प्रैक्टिस करने से हम सभी को बेहतर बनने में मदद मिलती है।' आगे की ओर देखते हुए इस पैरा स्प्रिंटर ने कहा कि वह आने वाले इवेंट में और भी दमदार प्रदर्शन करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

200मी का इवेंट तीसरे दिन है और मैं उसमें अच्छा करने की पूरी कोशिश करूंगी। मैं कोई बहाना नहीं बनाना चाहती, मैं बस अपने प्रदर्शन को और बेहतर बनाना चाहती हूं।' यूपी की रहने वाली इस एथलीट का मानना है कि असली मुकाबला खुद से ही होता है और अपने ही पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को पीछे छोड़ना ही उनका मुख्य लक्ष्य है।

अब मैं अपने एक्टिंग करियर पर पूरा फोकस करना चाहती हूं

रियलिटी शो रियलिटी शो 'द 50' से बाहर होने के बाद अभिनेत्री दिव्या अग्रवाल ने इंटरव्यू में बड़ा बयान दिया। उन्होंने खुलकर बताया कि शो का अनुभव उनके लिए कैसा रहा और अब वह अपने करियर को किस दिशा में आगे बढ़ाना चाहती हैं। दिव्या अग्रवाल ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, ''मुझे इस बात की खुशी है कि मैं अब इस शो से बाहर आ चुकी हूं। यह शो काफी हद तक मेल डॉमिनेटेड था और इसमें बहुत ज्यादा फिजिकल एक्टिविटी शामिल थी। शो में हर कोई खुद को नोटिस करवाने की कोशिश कर रहा था। इसी वजह से कई बार कंटेस्टेंट्स एक-दूसरे के बारे में अजीब और अनचाही बातें भी कह देते थे। यह माहौल कई बार असहज कर देने वाला होता था।'' दिव्या ने आगे कहा, ''मैंने यह शो अपने फैंस की वजह से किया था। लंबे समय से मेरे फैंस मुझसे कह रहे थे कि मुझे एक और रियलिटी शो में हिस्सा लेना चाहिए। इसी वजह से मैंने 'द 50' में हिस्सा लेने का फैसला किया था।''

उन्होंने कहा, 'अब मैं किसी भी तरह का रियलिटी शो नहीं करूंगी। मेरा ध्यान सिर्फ और सिर्फ अभिनय पर रहेगा। मैं अपने एक्टिंग करियर पर पूरा फोकस करना चाहती हूं।'' दिव्या अग्रवाल के करियर की बात करें तो उन्होंने मनोरंजन की दुनिया में अपनी पहचान एक रियलिटी शो कंटेस्टेंट के तौर पर बनाई। साल 2017 में उन्होंने 'एमटीवी स्प्लिट्सविला 10' में हिस्सा लिया था। इस शो में वह अभिनेता प्रियांक शर्मा के साथ रनर-अप रहीं और यहीं से उन्हें बड़ी पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने कई रियलिटी शोज और टीवी प्रोजेक्ट्स में काम किया और धीरे-धीरे दर्शकों के बीच लोकप्रिय होती चली गईं। 2018 में दिव्या ने 'एमटीवी ऐस ऑफ स्पेस' में हिस्सा लिया और इस शो की विजेता बनीं। इस जीत ने उन्हें टीवी इंडस्ट्री में और मजबूत पहचान दिलाई। इसके बाद उन्होंने एक्टिंग में डेब्यू किया और हॉरर वेब सीरीज 'रागिनी एमएमएस: रिटर्न्स' के दूसरे सीजन में नजर आईं। उनके करियर में बड़ा मोड़ तब आया वह 'बिग बॉस ओटीटी सीजन 1' की विजेता बनीं। इस जीत के बाद उनकी लोकप्रियता में जबरदस्त इजाफा हुआ और उन्हें कई वेब सीरीज, म्यूजिक वीडियो और अन्य प्रोजेक्ट्स के ऑफर मिलने लगे।

टीवी के बाद अब ओटीटी पर जादू बिखेरेंगी रूप दुर्गापाल

'स्वरागिनी,' 'कुछ रंग प्यार के ऐसे भी,' और 'बालवीर' जैसे कई धारावाहिकों में काम कर घर-घर में अपनी पहचान बना चुकी अभिनेत्री रूप दुर्गापाल अब ओटीटी डेब्यू करने जा रही हैं। दरअसल, अभिनेत्री जल्द ही आगामी वेब सीरीज 'संकल्प' में नजर आएंगी। इस सीरीज में वे अभिनेता मोहम्मद जीशान अय्यूब की पत्नी माधुरी के किरदार में हैं। रूप ने अपने को-स्टार जीशान के अभिनय की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, 'जीशान बहुत ही शानदार अभिनेता है। एनएसडी से पढ़ाई करने और फिल्मों-वेब सीरीज में इतना अनुभव होने के कारण उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला। उनके सीन्स को देखने का नजरिया, भाषा पर अच्छी पकड़ और एनर्जी ने मेरे साथ के सीन को बेहतर बनाया। मैं हर दिन सेट पर उनके आने का इंतजार करती थी।' अभिनेत्री ने आगे सीरीज की पूरी टीम की सराहना की। उन्होंने बताया कि शानदार कलाकारों के साथ काम करना ही उन्हें इस प्रोजेक्ट में शामिल होने के लिए उत्साहित कर रहा था। अभिनेत्री ने कहा, 'जब सबके पास अच्छा काम होता है, तो सेट पर और बाहर भी बहुत कुछ सीखने को मिलता है। नाना पाटेकर सर और प्रकाश सर के साथ काम करना एक्टिंग, फिल्म बनाने और जिंदगी के कई पहलुओं को समझने जैसा था। मेघना मलिक से भी बहुत कुछ सीखा। हम लंच और डिनर के दौरान भी खूब बातें करते थे। वे न सिर्फ बेहतरीन एक्टर हैं, बल्कि बहुत अच्छे इंसान भी हैं।' उन्होंने आगे बताया कि सीरीज के लिए उन्हें ऑफर कैसे मिला था। उन्होंने बताया, 'साल 2019 तक मैंने टेलीविजन से आगे जाने के बारे में ज्यादा नहीं सोचा था, लेकिन कोविड के दौरान सब कुछ बदल गया। लोगों को जाते देखकर मुझे एहसास हुआ कि जिंदगी बहुत छोटी है। कुछ भी कहा नहीं जा सकता। तब मैंने फैसला लिया कि अब उन चीजों को आजमाना है जिनसे पहले डर लगता था।'

उत्तराखंड के अल्मोड़ा की रहने वाली अभिनेत्री रूप ने सिल्वर स्क्रीन पर परफॉर्म करने के अलावा, थिएटर में भी काम किया, जो उनके लिए नया था।

उन्होंने थिएटर को लेकर अपना एक्सपीरियंस शेयर करते हुए बताया, 'बिना कट, रीटेक के, महीनों रिहर्सल करके स्टेज पर परफॉर्म करना काफी अजीब था, लेकिन जिंदगी की अनिश्चितता ने मुझे हिम्मत दी। स्टेज पर खड़े होकर बिना किसी डर के परफॉर्म करना शानदार अनुभव था। इसी हिम्मत ने मुझे टीवी से आगे बढ़कर वेब सीरीज में आने की ताकत दी।' अभिनेत्री का मानना है कि हर किसी का सफर अलग होता है और सब कुछ अपने सही समय पर ही होता है। उन्होंने कहा, 'शायद मेरा सफर ऐसा ही होना था। सालों की संख्या मायने नहीं रखती। मैं बहुत खुश हूं कि यह सब अपने आप हुआ।' सीरीज का निर्देशन प्रकाश झा ने किया है। रूप ने निर्देशक की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'प्रकाश सर के साथ काम करना किसी बड़े संस्थान में पढ़ाई करने जैसा था। साथ ही काम में मजा भी आता था और यादगार पल भी बनते थे।'

फिल्मों में मिलने वाली फीस सिर्फ जेंडर पर निर्भर नहीं होती

बॉलीवुड में अक्सर यह चर्चा होती रहती है कि एक्टर्स और एक्ट्रेसेस की फीस में काफी फर्क होता है। इसी मुद्दे पर अब अभिनेता सैफ अली खान ने अपनी राय रखी है।

हाल ही में यूट्यूब में एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान सैफ ने कहा कि फिल्मों में मिलने वाली फीस सिर्फ जेंडर पर निर्भर नहीं होती। उनके मुताबिक किसी कलाकार को कितना पैसा मिलेगा, यह काफी हद तक उसकी स्टार पावर और बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों को थिएटर तक लाने की क्षमता पर निर्भर करता है। सैफ का कहना है कि अगर दो कलाकार एक जैसी स्टार वैल्यू रखते हैं, तो उन्हें बराबर पैसा मिलना चाहिए। लेकिन फिल्म इंडस्ट्री का अपना एक आर्थिक गणित भी होता है। जो कलाकार ज्यादा दर्शक खींचता है, उसकी फीस भी उसी हिसाब से तय होती है।

इंडस्ट्री में चीजें बेहतर हो रही हैं

उन्होंने यह भी कहा कि सिर्फ इसलिए किसी को ज्यादा या कम पैसे नहीं मिलने चाहिए कि वह मेल है या फीमेल। असल में इंडस्ट्री में यह तय होता है कि कौन स्टार बॉक्स ऑफिस पर कितना असर डाल रहा है। सैफ के मुताबिक धीरे-धीरे इंडस्ट्री में चीजें बेहतर हो रही हैं और अब पे-पैरिटी पर पहले से ज्यादा खुलकर बात हो रही है। सैफ अली खान दिग्गज अभिनेत्री शर्मिला टैगोर के बेटे हैं। उनकी शादी अभिनेत्री करीना कपूर से हुई है।

वर्कफ्रंट

सैफ जल्द ही नेटफिलक्स की पीरियड ड्रामा फिल्म 'हम हिंदुस्तानी' में नजर आएंगे। यह फिल्म भारत के पहले लोकतांत्रिक चुनाव के पीछे की कहानी को दिखाती है। इस फिल्म में प्रतीक गांधी भी अहम भूमिका में हैं और इसका निर्देशन राहुल ढोलकिया ने किया है। हालांकि फिल्म की रिलीज डेट अभी घोषित नहीं की गई है। इसके अलावा सैफ के पास प्रियदर्शन की फिल्म 'हैवान' भी पाइपलाइन में है, जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार भी नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है, लेकिन इसकी रिलीज डेट का अभी इंतजार है। पिछले साल सैफ नेटफिलक्स की फिल्म 'ज्वेल थीफ: द हीस्ट बिगिन्स' में दिखाई दिए थे।

करीना कपूर ने फिल्मों में खून-खराबे के ट्रेंड पर जाहिर की चिंता

करीना कपूर खान ने हाल ही में फिल्मों में बढ़ती हिंसा और खून-खराबे के ट्रेंड पर अपनी चिंता जाहिर की है। उनका कहना है कि आजकल की कई फिल्मों में पहले जैसी मस्ती, रंग, गाने और रोमांस की कमी महसूस होती है। हाल ही में द हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में करीना ने कहा कि मौजूदा समय में कई फिल्में ज्यादा 'क्राइम और खून' पर ज्यादा फोकस करती हैं। उनके मुताबिक, इस तरह की फिल्मों में पहले जैसा मनोरंजन, एनर्जी, रंग और रोमांस देखने को कम मिलता है, जो कभी बॉलीवुड की पहचान हुआ करता था। करीना ने यह भी माना कि सिनेमा में बढ़ती 'हाइपर-मस्कुलिनिटी' यानी अत्यधिक मर्दानगी दिखाने का चलन उन्हें थोड़ा डराता है। उनका मानना है कि फिल्में सिर्फ एक्शन और हिंसा तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उनमें प्यार, म्यूजिक और भावनाएं भी उतनी ही जरूरी हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो करीना कपूर खान जल्द ही निर्देशक मेघना गुलजार की फिल्म 'दायरा' में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ पृथ्वीराज सुकुमारन भी मुख्य भूमिका में दिखाई देंगे।

शानदार अभिनेता हैं नाना पाटेकर, अपने काम के प्रति पूरी तरह समर्पित रहते हैं

अभिनेत्री कुब्रा सैत, जो इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म संकल्प को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में उनके साथ नाना पाटेकर हैं।

फिल्म संकल्प का निर्देशन प्रकाश झा कर रहे हैं। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया, जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं। इस बीच क्रुब्रा सैत ने नाना पाटेकर के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया। क्रुबा ने कहा कि उन्होंने नाना पाटेकर से अभिनय की बारीकियां सीखीं हैं, साथ ही उन्हें काम के प्रति समर्पण भी सीखने को मिला। नाना पाटेकर की तारीफ करते हुए कुब्रा सैत ने कहा, नाना पाटेकर शानदार अभिनेता हैं। वह अपने काम के प्रति पूरी तरह समर्पित रहते हैं। वह हर सीन को बहुत गंभीरता से लेते हैं और उसकी तैयारी भी उतनी ही मेहनत से करते हैं। वह अक्सर अगले दिन के सीन्स की कहानी खुद अपने हाथों से लिखते हैं और फिर उसकी हर लाइन को याद भी करते हैं। कुब्रा ने कहा, नाना पाटेकर की लिखने की शैली बहुत प्रभावशाली है और काम करने का तरीका भी बेहद अलग है। सेट पर उन्हें काम करते हुए देखना मेरे लिए किसी सीखने वाली क्लास की तरह है। सेट के बारे में बताते हुए कुब्रा ने कहा, संकल्प के सेट पर कलाकारों के बीच काफी सहयोग भरा माहौल था, जहां हर कोई एक-दूसरे से कुछ नया सीख रहा था। नाना पाटेकर जैसे कलाकार नई पीढ़ी के अभिनेताओं के लिए एक प्रेरणा हैं और उनके साथ काम करना किसी सौभाग्य से कम नहीं है।

अपनी पर्सनल लाइफ के मुद्दे मैं खुद संभाल लूंगा

एक्टर और राजनेता थलापति विजय इन दिनों लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। वजह है उनकी पर्सनल जिंदगी। विजय की पत्नी ने संगीता सोरनलिंगम ने 26 साल के वैवाहिक जीवन के बाद विजय से तलाक के लिए अर्जी डाली है। उन्होंने विजय के एक अभिनेत्री से अफेयर की बात कही है। इसके बाद विजय का नाम एक्ट्रेस तृषा कृष्णन के साथ जोड़ा जाने लगा। इस बीच हाल ही में विजय तृषा के साथ एक कार्यक्रम में भी शामिल हुए। वहीं विजय की फिल्म 'जन नायकन' को लेकर भी विवाद अभी तक थमा नहीं है। इस बीच अब विजय ने अपने आसपास की हाल ही की समस्याओं पर बात की है।

अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चाओं में बने थलापति विजय का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। यह वीडियो चेन्नई में उनकी पार्टी 'तमिलगा वेट्री कजगम' (टीवीके) के महिला दिवस कार्यक्रम का है। इस कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए विजय ने अपनी हालिया समस्याओं को लेकर बात की। वीडियो में विजय अपने प्रशंसकों से अपील करते हुए दिख रहे हैं कि वे उनकी समस्याओं के कारण दुखी या तनावग्रस्त न हों। उन्होंने कहा, 'कृपया मेरे आसपास की हाल की समस्याओं के बारे में चिंता न करें। ये मुद्दे आपके समय के लायक नहीं हैं। मैं इन्हें खुद संभाल लूंगा। मुझे सबसे ज्यादा दुख तब होता है, जब आप मेरी समस्याओं के कारण दुखी या तनावग्रस्त होते हैं। कृपया मेरे लिए यह बोझ न उठाएं। इसके बजाय, लोगों के कल्याण पर ध्यान दें।'

पत्नी ने दायर की विजय से तलाक की याचिका

विजय की ये टिप्पणी ऐसे समय में आई हैं, जब उनका निजी जीवन ऑनलाइन और मीडिया में व्यापक चर्चा का विषय बना हुआ है। कुछ समय पहले ही उनकी पत्नी संगीता सोरनलिंगम ने 26 साल के वैवाहिक जीवन के बाद विजय से तलाक के लिए याचिका दायर की थी। विजय और संगीता का विवाह अगस्त 1999 में हुआ था और उनके दो बच्चे हैं - जेसन संजय और दिव्या शशा। पत्नी ने याचिका में आरोप लगाया गया है कि विजय का एक महिला अभिनेत्री के साथ एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर था। याचिका के अनुसार, संगीता को इस कथित संबंध के बारे में 2021 में पता चला। संगीता ने बाद में निवास सुरक्षा और आर्थिक सहायता के लिए एक और याचिका दायर की।

तृषा के साथ कार्यक्रम में पहुंचे विजय

पत्नी के आरोपों के बाद विजय का नाम तृषा कृष्णन के साथ जोड़ा जाने लगा। तृषा और विजय का नाम इससे पहले भी जोड़ा गया था। हालांकि, बाद में दोनों का रिश्ता खत्म हो गया, लेकिन तृषा ने अभी तक शादी नहीं की है। ऐसे में जब पत्नी ने ये आरोप लगाए, तो सोशल मीडिया पर एक बार फिर तृषा का नाम विजय के साथ जोड़ा जाने लगा। इन आरोपों के बीच विजय तृषा के साथ फिल्म निर्माता कलपथी सुरेश और मीनाक्षी के बेटे के विवाह समारोह में पहुंचे। विजय और तृषा एक ही कार में समारोह में पहुंचे और साथ ही वहां से जाते हुए भी देखे गए। इसके बाद संगीता ने एक नई याचिका भी दायर की है।

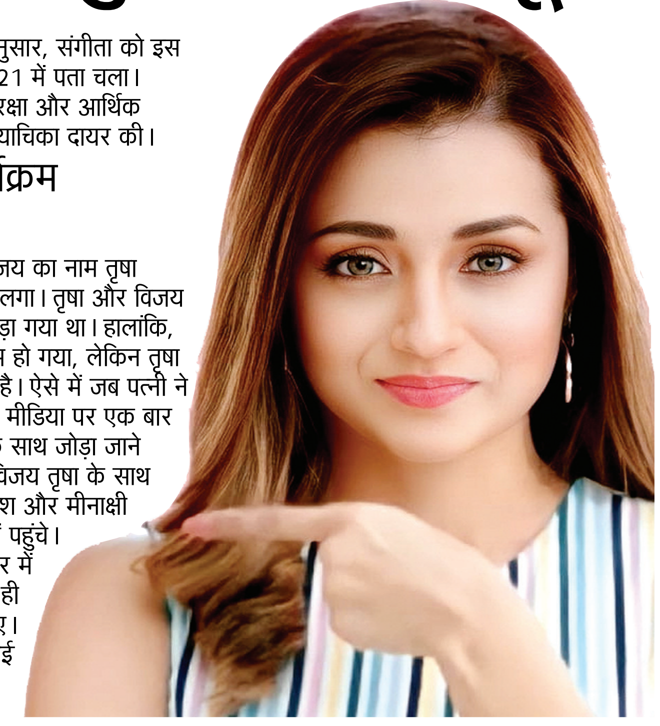

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।